लोकतंत्र मिरर

पृष्ठ : 8 RNI Reg. No. MAHHIN/2017/74134 वर्ष : 6 अंक : 8 १५ सितंबर 2022 मूल्य : 10

ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ का ९६ वर्ष की आयु में निधन

बाल्मोरल महल में ली आखिरी सांस

लंदन : ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ का ९६ वर्ष की आयु में स्कॉटलैंड के बाल्मोरल महल में निधन हो गया। बकिंघम पैलेस, यूनाइटेड किंगडम ने बताया कि आज दोपहर बाल्मोरल में रानी एलिजाबेथ का निधन हो गया। उनकी जगह प्रिंस चार्ल्स को राजा बनाया गया है।

कुछ समय से महारानी एलिजाबेथ कहीं आने-जाने में असमर्थ थीं। इसलिए वे अपनी मुलाकातें लंदन के बकिंघम पैलेस की बजाय स्कॉटलैंड के बाल्मोरल कैसल में कर रही थीं। महारानी एलिजाबेथ पिछले साल अक्तूबर से स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रही थीं।

ब्रिटेन और महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का भारत से गहरा नाता रहा है। वे ७० साल के अपने महारानी काल में तीन बार भारत आई थीं। उनकी देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी और आईके गुजराल व समकालीन राष्ट्रपतियों डॉ. राजेंद्र प्रसाद, ज्ञानी जेल सिंह और केआर नारायणन से भी मुलाकातें हुई। पीएम नरेंद्र मोदी २०१८ में लंदन में उनसे मिले थे।

ब्रिटेन की गद्दी संभालने वाली सबसे उम्रदराज शासक

महारानी एलिजाबेथ द्वितीय महज २५ साल की थीं, जब ब्रिटेन की गद्दी पर उनकी ताजपोशी हुई थी। तब से लेकर अब तक करीब सात दशक से वे इस गद्दी पर काबिज थीं। वह ९६ वर्ष की थीं और ब्रिटेन की सत्ता संभालने वाली सबसे उम्रदराज महिला थीं। इसके अलावा दुनिया के भी सबसे बुजुर्ग शासकों में महारानी एलिजाबेथ का नाम आता था।

१९५२ में ब्रिटेन की महारानी बनी थीं

ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के शासन के ७० साल पूरे हो गए हैं। वह १९५२ में ब्रिटेन की महारानी बनी थीं। इस खास मौके पर देश भर में चार दिवसीय प्लैटिनम जुबली समारोह का आयोजन किया गया था। हालांकि, महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने इस कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लिया था। वह सार्वजनिक कार्यक्रमों में कम ही दिखती थीं।

मोदी से लेकर बाइडन तक ने दी श्रद्धांजलि

ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का गुरुवार को निधन हो गया। उन्होंने स्कॉटलैंड में अंतिम सांस ली। महारानी को श्रद्धांजलि देने के लिए बकिंघम पैलेस के बाहर बडी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। महारानी का अंतिम संस्कार उनके निधन के १० दिन बाद होगा। इससे पहले, उनके ताबूत को बकिंघम पैलेस से वेस्टमिंस्टर के पैलेस तक निधन के पांच दिन बाद औपचारिक मार्ग से ले जाया जाएगा, जहां रानी तीन दिनों के लिए राज्य में लेटी रहेंगी। इस दौरान लोग उनके अंतिम दर्शन कर सकेंगे, यह स्थल प्रतिदिन २३ घंटे तक खुला रहेगा।

महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा हुआ है। बडी संख्या में लोग बाल्मोरल महल के बाहर फूलों का गुलदस्ता लेकर पहुंच रहे हैं और महारानी को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं।

लोग अपने परिवार के साथ आएं कर्तव्य पथ

प्रधानमंत्री मोदी का आह्वान

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज गुरुवार, ८ सितंबर को सेंट्रल विस्टा एवेन्यू का उद्घाटन किया। इससे पहले पीएम मोदी ने शाम ७ बजे इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा का अनावरण किया। आज से करीब ३.२० किमी लंबा राजपथ नए रंग-रूप और नाम के साथ अब कर्तव्य पथ के रूप में जाना जाएगा।

पीएम मोदी ने कहा कि मैं देश के हर एक नागरिक का आह्वान करता हूं, आप सभी को आमंत्रण देता हूं। आइये, इस नवनिर्मित कर्तव्यपथ को आकर देखिए। इस निर्माण में आपको भविष्य का भारत नज़र आएगा। यहां की ऊर्जा आपको हमारे विराट राष्ट्र के लिए एक नया विजन देगी, एक नया विश्वास देगी।

पीएम मोदी बोले- आज के इस अवसर पर, मैं अपने उन श्रमिक साथियों का विशेष आभार व्यक्त करना चाहता हूं, जिन्होंने कर्तव्यपथ को केवल बनाया ही नहीं है, बल्कि अपने श्रम की पराकाष्ठा से देश को कर्तव्य पथ दिखाया भी है। नए भारत में आज श्रम और श्रमजीवियों के सम्मान की एक संस्कृति बन गई है, एक परंपरा पुनजीवित हो रही है। जब नीतियों में संवेदनशीलता आती है, तो निर्णय भी उतने ही संवेदनशील होते चले जाते हैं, इसलिए देश अब अपनी श्रम शक्ति पर गर्व कर रहा है।

कर्तव्य पथ केवल ईंट-पत्थरों का रास्ता भर नहीं है। ये भारत के लोकतांत्रिक अतीत और सर्वकालिक आदर्शों का जीवंत मार्ग है। अगर पथ ही राजपथ हो, तो यात्रा लोकमुखी कैसे होगी? राजपथ ब्रिटिश राज के लिए था, जिनके लिए भारत के लोग गुलाम थे। राजपथ की भावना भी गुलामी का प्रतीक थी, उसकी संरचना भी गुलामी का प्रतीक थी। आज इसका आर्किटेक्चर भी बदला है, और इसकी आत्मा भी बदली है।

गुलामी की मानसिकता के परित्याग ये पहला उदाहरण नहीं

पीएम मोदी ने कहा, आज अगर राजपथ का अस्तित्व समाप्त होकर कर्तव्यपथ बना है, आज अगर जॉर्ज पंचम की मूर्ति के निशान को हटाकर नेताजी की मूर्ति लगी है, तो ये गुलामी की मानसिकता के परित्याग का पहला उदाहरण नहीं है। ये न शुरुआत है, न अंत है। आज देश अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे सैकडों कानूनों को बदल चुका है। भारतीय बजट, जो इतने दशकों से ब्रिटिश संसद के समय का अनुसरण कर रहा था, उसका समय और तारीख भी बदली गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जरिए अब विदेशी भाषा की मजबूरी से भी देश के युवाओं को आजाद किया जा रहा है।

पीएम मोदी ने संबोधन में कहा कि आज भारत के आदर्श अपने हैं, आयाम अपने हैं। आज भारत के संकल्प अपने हैं, लक्ष्य अपने हैं। आज हमारे पथ अपने हैं, प्रतीक अपने हैं।

आजादी के ७५ वर्ष पूरे होने पर देश ने अपने लिए 'पंच प्रणों' का विजन रखा है। इन पंच प्राणों में विकास के बडे.लक्ष्यों का संकल्प है, कर्तव्यों की प्रेरणा है। इसमें गुलामी की मानसिकता के त्याग का आह्वान है। अपनी विरासत पर गर्व का बोध है।

नेता जी के पास विचार थे, विजन था

सुभाषचंद्र बोस ऐसे महामानव थे, जो पद और संसाधनों की चुनौती से परे थे। उनकी स्वीकार्यता ऐसी थी कि पूरा विश्व उन्हें नेता मानता था। उनमें साहस था, स्वाभिमान था। उनके पास विचार थे, विजन था। उनमें नेतृत्व की क्षमता थी, नीतियां थीं।

नेता जी को पूरा विश्व मानता था अपना नेता

आज का दिन पूरे देश के लिए ऐतिहासिक है। देश में नया रंग भरने का काम हुआ है। नेता जी को पूरा देश अपना नेता मानता था। दुर्भाग्य से इस नेता को भुला दिया गया।

खनिज उत्पादन में ७.५ प्रतिशत वृद्धि

नई दिल्ली : जून, २०२२ (आधार: २०११-१२ = १००) के लिए खनन एवं उत्खनन क्षेत्र का खनिज उत्पादन सूचकांक ११३.४, पर रहा, जो जून, २०२१ के महीने के स्तर की तुलना में ७.५ % अधिक था। अप्रैल-जून, २०२२-२३ की अवधि के लिए संचयी वृद्धि में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में ९.० प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है।

नूपुर शर्मा की गिरफ्तारी का निर्देश देने से इनकार

नई दिल्ली : पैगंबर के खिलाफ विवादित बयान को लेकर भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा की गिरफ्तारी की मांग वाली याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने आज खारिज कर दिया। इससे नूपुर को बड़ी राहत मिल गई है। नूपुर के खिलाफ कई राज्यों में केस दर्ज किए गए हैं। इन सभी को दिल्ली ट्रांसफर करने का आदेश पहले ही दिया जा चुका है।

याचिका में शीर्ष कोर्ट से मांग की गई थी कि वह अधिकारियों को मुस्लिमों की भावनाएं आहत करने के आरोप में नूपुर के खिलाफ कार्रवाई करने और गिरफ्तारी का आदेश दे। पैगंबर के खिलाफ नूपुर शर्मा के विवादित बयान को लेकर देश-विदेश में भारी बवाल मचा था। नूपुर का समर्थन करने पर उदयपुर व औरंगाबाद में हत्या के मामले भी सामने आए। देश के कुछ हिस्सों में उपद्रव भी हुए थे।

प्रधान न्यायाधीश यूयू ललित की अगुवाई वाली पीठ ने नूपुर शर्मा के खिलाफ दायर याचिका को याचिकाकर्ता को वापस लेने को कहा। पीठ ने कहा कि यह बहुत ही सरल अहानिकर लगता है, लेकिन असल में इसके दूरगामी परिणाम होते हैं। हमारा सुझाव है कि याचिका वापस ले ली जाए। इसके बाद याचिकाकर्ता की सहमति से याचिका को वापस लेते हुए खारिज मानने का फैसला किया गया।

नारनौल की बेटी तनिष्का ने नीट २०२२ में पूरे देश में किया टॉप

नारनौल (हरियाणा) : नारनौल की बेटी तनिष्का यादव ने नीट यूजी २०२२ में इतिहास रच दिया है। गांव मिर्जापुर बाछोड.की तनिष्का ने पूरे देश में टॉप किया है। तनिष्का ने ७२० अंक के पेपर में ७१५ अंक प्राप्त किए। तनिष्का की दसवीं तक की पढाई नारनौल के यदुवंशी शिक्षा निकेतन में हुई। इसके बाद १२वीं की पढाई उन्होंने राजस्थान के कोटा शहर में रहकर की। तनिष्का की इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में जश्न का माहौल है। तनिष्का के माता-पिता गांव में ही रहते हैं और दोनों ही सरकारी अध्यापक हैं।

नारनौल के ग्रामीण परिवेश में पली-बढी तनिष्का यादव ने वह कर दिखाया है जो आज तक क्षेत्र की किसी बेटी ने नहीं किया था। तनिष्का ने बताया कि वह पढाई के लिए कोई विशेष समय नहीं निकालती थी, लेकिन उसने नीट की तैयारी दसवीं कक्षा से ही शुरूकर दी थी। बातचीत में तनिष्का ने बताया कि अगर पूरी लग्न व मेहनत से किसी परीक्षा की तैयारी की जाए तो सफलता पाना कोई मुश्किल बात नहीं है। उनके पिता कृष्ण कुमार गांव मिर्जापुर बाछोद के स्कूल में सरकारी अध्यापक हैं। वहीं मां सरिता यादव सीहमा के सरकारी स्कूल में पीजीटी इतिहास की लेक्चरर हैं।

तनिष्का ने अपनी सफलता का श्रेय अपने दादा राम अवतार यादव और दादी रेशमी देवी को दिया है। उन्होंने बताया कि उसके पूरे परिवार ताऊ रमेश कुमार अधीक्षक भिवानी बोर्ड और बडे. ताऊ सुरेश कुमार यादव निरीक्षक सीआरपीएफ सहित माता-पिता ने पढाई में पूरा सहयोग दिया तथा इसके लिए मोटिवेट किया।

तनिष्का ने कोटा में डीडीपीएस स्कूल से १२वीं की। तनिष्का ने १०वीं में ९६.४ प्रतिशत और बारहवीं में ९८.६ प्रतिशत नंबर प्राप्त किए हैं। वहीं जेईई मेंस में भी ९९.५ प्रतिशत प्राप्त किए थे। इस प्रकार तनिष्का शुरूसे पढाई में होनहार रही है। इसी की बदौलत तनिष्का ने यह उपलब्धि प्राप्त की है। इससे पहले भी नारनौल की अंजली ने १०वीं की सीबीएसई परीक्षा में १०० प्रतिशत अंक लेकर पहला स्थान प्राप्त किया था।

नीट-यूजी २०२२ परीक्षा में १८ लाख उम्मीदवार शामिल हुए थे। तनिष्का ने पूरे देश में अव्वल स्थान पाकर गांव और अहीरवाल का नाम रोशन किया है।

सोनाली फोगाट हत्याकांड

सीसीटीवी व लैपटॉप गायब करने वाला पकडा गया

हरियाणा : सोनाली फोगाट हत्याकांड मामले में हरियाणा पुलिस ने कंप्यूटर ऑपरेटर शिवम को हिरासत में ले लिया है। अब उससे गहन पूछताछ होगी। एक लैपटॉप और फोन मिला है। परिवार ने इस पर डीवीआर, लैपटॉप और सीसीटीवी गायब करने का आरोप लगाया था। वहीं पुलिस ने डीवीआर भी बरामद कर ली थी।

जांच में सामने आया कि डीवीआर में मार्च माह के बाद की कोई रिकॉर्डिंग नहीं है। सोनाली फोगाट की मौत के मामले में न्याय दिलाने के लिए अब खाप भी आगे आएंगी। पूनिया खाप के राष्ट्रीय प्रवक्ता जितेंद्र छातर ने कहा कि हरियाणा सरकार ने सीबीआई जांच नहीं कराई तो खापों की बैठक बुलाई जाएगी। सोनाली फोगाट के जेठ कुलदीप फोगाट ने कहा कि जल्द ही तेरहवीं के बाद आदमपुर हलके के लोगों की बैठक बुलाएंगे।

फार्म हाउस में मंगलवार को जांच में एक डीवीआर मिली थी। जिसकी जांच पर पता लगा कि इसमें पिछले पांच महीने का कोई रिकॉर्ड नहीं है। इस डीवीआर में मार्च तक की ही फुटेज हैं।

शिवम के मोबाइल कॉल डिटेल खंगालेगी पुलिस

पुलिस शिवम के मोबाइल कॉल की डिटेल भी खंगालेगी। जिसमें पता लगाया जाएगा कि सोनाली की मौत के बाद सुधीर सांगवान ने उसे कितने बजे फोन किया। उस दिन शिवम के मोबाइल पर किस-किस के फोन आए। शिवम किन-किन लोगों के संपर्क में था। लैपटॉप, डीवीआर, दस्तावेज लेकर क्यों गया। वह यूपी के मेरठ-गाजियाबाद इलाके में था। वह अक्सर अपना फोन स्विच ऑफ कर देता था।

दिल्ली के आजाद मार्केट में इमारत गिरी

सात लोगों के फंसे होने की आशंका

नई दिल्ली : देश की राजधानी दिल्ली के आजाद मार्केट इलाके में शुक्रवार सुबह एक इमारत ढह गई। सूचना मिलते ही दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची। अभी तक ही जानकारी के मुताबिक, हादसे में पांच लोग घायल हुए हैं। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मलबे में अभी भी ६ से ७ लोगों के फंसे होने की आशंका है। वहीं, मौके पर एनडीआरएफ की टीम भी पहुंची है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस घटना पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि हादसा बेहद दुखद है। राहत और बचाव का काम चल रहा है, जिला प्रशासन से मैं सारी जानकारी ले रहा हूं।

दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। जानकारी के मुताबिक करीब ६-७ लोग फंसे हुए हैं। पांच घायलों को अस्पताल रेफर किया गया है। एनडीआरएफ की टीम भी पहुंच गई है। संकरी लाइन के कारण जेसीबी मौके पर पहुंच नहीं पा रही है।

गोगरा-हॉट स्प्रिंग्स पीपी-१५ के क्षेत्र में डिसइंगेजमेंट शुरू

भारत-चीन ने जारी किया संयुक्त बयान

नई दिल्ली : गोगरा-हॉट स्प्रिंग्स पीपी-१५ के क्षेत्र में भारतीय और चीनी सैनिकों ने समन्वित और नियोजित तरीके से डिसइंगेज करना शुरूकर दिया है। भारत-चीन की ओर से संयुक्त बयान जारी कर यह जानकारी दी गई। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि आज भारत-चीन कोर कमांडर स्तर की बैठक के १६वें दौर में बनी आम सहमति के अनुसार, गोगरा-हॉटस्प्रिंग्स (पीपी-१५) के क्षेत्र में भारतीय और चीनी सैनिकों ने समन्वित और नियोजित तरीके से पीछे हटना शुरूकर दिया है। इससे सीमावर्ती क्षेत्रों में शांतिपूर्ण माहौल बनाने में मदद मिलेगी।

इससे पहले १६वें दौर की भारत-चीन कोर कमांडर स्तर की बैठक १७ जुलाई को भारत की तरफ चुशुल-मोल्दो सीमा मिलन स्थल पर हुई थी। इसमें दोनों पक्ष पश्चिमी क्षेत्र में जमीन पर सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने पर सहमत हुए थे। इस दौरान हॉट स्प्रिंग क्षेत्र के पेट्रोलिंग प्वाइंट १५ से सैनिकों की वापसी पर सहमति बनी थी।

शिखर सम्मेलन से पहले शुरूहुई प्रक्रिया

सेनाओं को पीछे हटाने की प्रक्रिया उज्बेकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन से पहले शुरू की गई है। सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग शामिल होंगे।

बैठक में दोनों पक्ष संपर्क में रहने और सैन्य एवं राजनयिक माध्यमों की मदद से बातचीत बनाए रखने और शेष मुद्दों को पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान पर जल्द से जल्द काम करने पर सहमत हुए थे। भारत और चीन के बीच १६वें दौर की सैन्य वार्ता करीब साढे. बारह घंटे तक चली थी। इस दौरान भारत ने फिर से चीन पर दबाव डाला कि वह पूवी लद्दाख के विवाद वाले क्षेत्रों से सेना पूरी तरह पीछे हटाए।

गौरतलब है कि मई २०२० में जब दोनों देशों की सेनाओं के बीच गतिरोध बढा था तब से भारत-चीन के सैनिकों को पैट्रोलिंग पॉइंट १५ के पास एक दूसरे के विपरीत तैनात किया गया है। भारत और चीन ने पैंगोंग त्सो लेक के दोनों किनारों से सैनिकों को हटा भी चुके हैं।

भ्रष्टाचार पर वार का बड़ा संदेश ट्विन टावर ध्वंस

सरकार के निशाने पर कई बड़े अफसर व बिल्डर

लखनऊ : सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर नोएडा के सुपरटेक ट्विन टावर को धराशायी कर उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने भ्रष्टाचार के ताबूत में आखिरी कील ठोंकने का काम किया है। सपा शासनकाल के दौरान हुए इस बहुचर्चित कारनामे पर योगी सरकार ने न सिर्फ तगड़ी चोट की है, बल्कि यह संदेश भी दिया है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति पर अमल के लिए वह कड़े से कड़े कदम उठा सकती है।

सपा शासनकाल में सत्ता संरक्षित बिल्डरों और अधिकारियों के गठजोड़ से भ्रष्टाचार की नींव पर खड़े किये गए ट्विन टावर को शीर्ष अदालत के निर्देश पर जमींदोज करते हुए सरकार ने भ्रष्टाचारियों के मंसूबों पर भी तगड़ा हथौड़ा चलाया है, जिसकी गूंज लंबे समय तक सुनाई देती रहेगी। इस मामले में सरकार के निशाने पर नोएडा प्राधिकरण के कई बड़े तत्कालीन अधिकारी और बिल्डर शामिल हैं, जिनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की तैयारी है।

कुतुब मीनार से उंचे इन टावर को जमींदोज करने के बाद जिन ३२ लोगों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की तैयारी है, उनमें नोएडा प्राधिकरण के दो पूर्व सीईओ भी शामिल हैं। इसके अलावा कई तत्कालीन बड़े अफसर, सुपरटेक कँम्नी के दो डायरेक्टर और आर्किटेक्ट भी सरकार की रडार पर हैं। कुल मिलाकर इसमें २६ तत्कालीन अधिकारी, सुपरटेक कँपनी के चार अधिकारी और आर्किटेक्ट फर्म के दो अधिकारियों के नाम शामिल हैं। इन सभी के खिलाफ योगी सरकार की ओर से जांच के बाद एफआइआर पहले ही दर्ज कराई जा चुकी है।

योगी सरकार के दोनों उप मुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने इस मामले में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। केशव ने कहा कि, नोएडा का सुपरटेक ट्विन टावर अखिलेश यादव और सपा के शासनकाल के भ्रष्टाचार और अराजकता की नीति का जीवंत प्रमाण है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा की सरकार ने सपा के भ्रष्टाचार की इमारत को ढहा दिया है।

यही न्याय और सुशासन है। यह इस बात का भी संदेश है कि भ्रष्टाचार और सत्ता के संरक्षण के आधार पर इस तरह के टावर बनाये जा सकते हैं तो वे गिराये भी जा सकते हैं। जो भी जांच के दायरे में होगा, चाहे वह अधिकारी हो या बिल्डर, उन पर कार्रवाई तो होगी ही।

अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने कहा कि 'यह ध्वस्तीकरण एक मील का पत्थर होगा यह दिखाने के लिए अंततः अवैध कारनामे कानून की गिरफ्त में आ ही जाते हैं। चाहे जितना बड़ा आदमी हो, सार्वजनिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार और गैर कानूनी गतिविधियों के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति को लेकर सरकार गंभीर ही नहीं, सख्त भी है।

कहां से शुरू हुई ध्वस्त करने की कहानी?

कहानी २३ नंवबर २००४ से शुरू होती है। जब नोएडा अथॉरिटी ने सेक्टर-९३ए स्थित प्लॉट नंबर-४ को एमराल्ड कोर्ट के लिए आवंटित किया। आवंटन के साथ ग्राउंड फ्लोर समेत ९ मंजिल तक मकान बनाने की अनुमति मिली। दो साल बाद २९ दिसंबर २००६ को अनुमति में संसोधन कर दिया गया। नोएडा अथॉरिटी ने संसोधन करके सुपरटेक को नौ की जगह ११ मंजिल तक फ्लैट बनाने की अनुमति दे दी। इसके बाद अथॉरिटी ने टावर बनने की संख्या में भी इजाफा कर दिया। पहले १४ टावर बनने थे, जिन्हें बढ़ाकर पहले १५ फिर इन्हें १६ कर दिया गया। २००९ में इसमें फिर से इजाफा किया गया। २६ नवंबर २००९ को नोएडा अथॉरिटी ने फिर से १७ टावर बनाने का नक्शा पास कर दिया।

आखिर कैसे कोर्ट पहुंचा मामला?

फ्लैट बायर्स ने २००९ में आरडब्ल्यू बनाया। इसी आरडब्ल्यू ने सुपरटेक के खिलाफ कानूनी लड़ाई की शुरुआत की। ट्विन टावर के अवैध निर्माण को लेकर आरडब्ल्यू ने पहले नोएडा अथॉरिटी मे गुहार लगाई। अथॉरिटी में कोई सुनवाई नहीं होने पर आरडब्ल्यू इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचा। २०१४ में हाईकोर्ट ने ट्विन टावर तोड़ने का आदेश जारी किया। शुरुआती जांच में नोएडा अथॉरिटी के करीब १५ अधिकारी और कर्मचारी दोषी माने गए। इसकी जांच रिपोर्ट के बाद अथॉरिटी के २४ अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई।

श्रीलंका ने छठी बार जीता एशिया कप का खिताब

हसरंगा-राजपक्षा के आगे पाकिस्तान ने टेके घुटने

दुबई : राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता का सामना कर रहे श्रीलंका की टीम ने जब टी-२० टूर्नामेंट में अफगानिस्तान से मैच गंवाया तो शायद ही किसी ने सोचा होगा कि यह एशिया कप की विनर बनेगी, लेकिन इस टीम ने कमाल का प्रदर्शन करते खिताबी मुकाबले में पाकिस्तान को २३ रनों से हरा दिया। फाइनल जंग में श्रीलंका ने पहले बैटिंग करते हुए ६ विकेट पर राजपक्षा के तूफानी नाबाद ७१ रनों की पारी के दम पर १७० रन बनाए। जवाब में सूरमा बल्लेबाजों से भरी पाकिस्तान टीम सभी विकेट खोकर पर १४७ रनों तक ही पहुंच सकी। मोहम्मद रिजवान ने ४९ गेंदों में ५५ रन की पारी जरूर खेली, लेकिन वह टीम को जीत तक नहीं पहुंचा सके। विजेता के लिए हसरंगा ने ३ और प्रमोद ने ४ विकेट झटके। श्रीलंका का यह छठा एशिया कप खिताब है। इससे पहले उसने १९८६, १९९७, २००४, २००८ और २०१४ में खिताब अपने नाम किए थे।

पाकिस्तानी तेज गेंदबाजों के दिए शुरुआती झटकों से टीम को निकालते हुए भानुका राजपक्षा ने नाबाद ७१ रन बनाकर श्रीलंका को एशिया कप फाइनल में रविवार को छह विकेट पर १७० रन तक पहुंचाया। पाकिस्तान कप्तान बाबर आजम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया जो शुरुआत में सही साबित होता लग रहा था लेकिन राजपक्षा ने आखिरी चार ओवर में ५० रन बनाकर श्रीलंका को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

पावरप्ले में श्रीलंकाई बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी लेकिन इसके बाद राजपक्षा ने संकटमोचन की भूमिका निभाते हुए अपने कैरियर का बेहतरीन अर्धशतक लगाया।

राजपक्षा का तूफान

राजपक्षा ने ४५ गेंद में छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद ७१ और वानिंदु हसरंगा ने २१ गेंद में ३६ रन बनाए। दोनों ने ५८ रन की ताबड़तोड़ साझेदारी की जबकि एक समय पर श्रीलंका का स्कोर पांच विकेट पर ५८ रन था। चामिका करूणारत्ने के साथ राजपक्षा ने ५४ रन जोड़े और श्रीलंका को १६० के पार ले गए। पाकिस्तान के १९ वर्ष के तेज गेंदबाज शाह ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए कुसल मेंडिस को खाता खोले बिना ही पवेलियन भेज दिया। धनंजय डिसिल्वा (२१ गेंद में २८ रन) ने जरूर कुछ अच्छे शॉट लगाए लेकिन ज्यादा देर टिक नहीं सके।

१७१ रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम की भी शुरुआत खराब रही और टूर्नामेंट में अब तक फॉर्म से जूझ रहे कप्तान बाबर आजम सिर्फ ५ रन बनाकर प्रमोद मदुशन की गेंद पर चलते बने। पाकिस्तान का स्कोर हो गया २२ रन पर एक विकेट। इसी स्कोर पर प्रमोद के अगले शिकार बने फखर जमां। वह पहली ही गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए। इस तरह दो बड़े बल्लेबाज चौथे ओवर में पवेलियन लौट चुके थे।

इसके बाद इफ्तिखार और मोहम्मद रिजवान ने मोर्चा संभाला। यह जोड़ी खतरनाक होती दिख रही थी कि रन गति को रफ्तार देने के चक्कर में अहमद गेंद को हवा में खेल बैठे। उनका कैच अशेन ने लपका। वह भी प्रमोद के शिकार बने। उन्होंने ३१ गेंदों में २ चौके और एक छक्का की मदद से ३२ रन की पारी खेली। उनका विकेट ९३ रनों के टीम स्कोर पर गिरा।

हसरंगा ने किए एक ओवर में ३ शिकार

इफ्तिखार की जगह मैदान पर उतरे मोहम्मद नवाज (६) सिर्फ ९ गेंद खेल सके। उन्हें करूणारत्ने ने प्रमोद के हाथों कैच आउट कराकर पाकिस्तान को मुश्किल में डाल दिया। आखिरी ४ ओवरों में ६१ रनों की जरूरत थी तो मैदान पर खुशदिल शाह उतरे। १७वां ओवर करने हसरंगा ने पहली गेंद पर मोहम्मद रिजवान (५५ रन, ४९ गेंद), तीसरी गेंद पर आसिफ अली (०) और फिर ५वीं गेंद पर खुशदिल शाह (२) को आउट करते हुए पाकिस्तान की हसरतों पर पानी फेर दिया।

सशस्त्र बल न्यायाधिकरण अधिक सशक्त बनेगा : रक्षा मंत्री सिंह

नई दिल्ली : रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार सशस्त्र बल न्यायाधिकरण को अधिक सशक्त और उत्तरदायी बनाने तथा इस दिशा में आवश्यक उपायों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। नई दिल्ली में सशस्त्र बल न्यायाधिकरण की प्रिंसिपल बेंच एसोसिएशन द्वारा आयोजित 'आत्मनिरीक्षण: सशस्त्र बल न्यायाधिकरण' नामक सेमिनार को संबोधित करते हुए श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि न्यायपालिका लोकतंत्र का एक मजबूत स्तंभ है और न्यायिक अधिकारी तथा अधिवक्ता न्याय प्रणाली के स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि लोग न्याय का दरवाजा तब खटखटाते हैं जब उनके लिए अन्य सभी विकल्प समाप्त हो जाते हैं और मजबूत न्याय वितरण प्रणाली सूरज या सुशासन का आधार होती है।

श्री राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि विविध मामलों से निपटने और लंबित मामलों का निपटान करने के लिए डोमेन-विशिष्ट न्यायाधिकरण स्थापित किए गए थे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वादियों को हमारी न्यायपालिका में विश्वास है और न्याय प्रदान करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए न्यायाधिकरणों में खाली पदों को भरने जैसे सभी आवश्यक उपायों को लागू किया जा रहा है। उन्होंने उपस्थित जनों को यह भी आश्वासन दिया कि सरकार उन सुझावों पर विचार करेगी जो न्याय की शीघ्र आपूर्ति के लिए भूतपूर्व सैनिकों और सेवारत कर्मियों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए इस सेमिनार में विचार-विमर्श के बाद सामने आएंगे।

रक्षा मंत्री ने सामान्य रूप से न्यायिक प्रणाली और विशेष रूप से सशस्त्र बल न्यायाधिकरण में लंबित मामलों के बोझ को कम करने के लिए 'न्याय में देरी, न्याय से वंचित' और 'जल्दी में न्याय, न्याय को दफन करना' के बीच संतुलन कायम करने का आह्वान किया। क्योंकि न्याय की समय पर आपूर्ति से न केवल सशस्त्र बल न्यायाधिकरण पर बोझ कम होगा।

श्री राजनाथ सिंह ने जनसभा को यह भी जानकारी दी कि भारत में सशस्त्र बल न्यायाधिकरण को मूल और अपीलीय क्षेत्राधिकार प्राप्त है, जबकि कुछ विकसित देशों जैसे कि अमरीका और इंग्लैंड में केवल अपीलीय क्षेत्राधिकार प्राप्त है। यह बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि सशस्त्र बल न्यायाधिकरण सशस्त्र बलों के कर्मियों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों की शिकायतों का निवारण के लिए एक महत्वपूर्ण फोरम है।

श्री राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि सशस्त्र बल न्यायाधिकरण पर आयोजित इस आत्मनिरीक्षण सेमिनार को अधिक महत्व प्राप्त हो गया है क्योंकि देश 'आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहा है। उन्होंने भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने, औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त होने, अपनी विरासत पर गर्व करने और अपना कर्तव्य निभाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'पंच प्राण' के आह्वान को स्मरण किया। श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय परंपरा में आत्मनिरीक्षण या अवलोकन को बहुत महत्व दिया गया है।

टीम इंडिया ने पाकिस्तान को ५ विकेट से हराया

भारतने ६ साल पुराना हिसाब किया चुकता

दुबई : भारत ने एशिया कप में अपने पहले मैच में पाकिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने भारत के सामने १४८ रन का लक्ष्य रखा था और भारत ने पांच विकेट खोकर इसे हासिल कर लिया। इसके साथ ही भारत ने २०२१ की हार का बदला ले लिया है।

एशिया कप २०२२ जीतने के अभियान में रविवार, २८ अगस्त को भारतीय टीम ने लीग मुकाबले में पाकिस्तान को ५ विकेट से हरा दिया। भारतीय टीम ने इससे पहले पाकिस्तान को पहले बल्लेबाजों के लिए आमंत्रित किया था। भारतीय गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने २६ रन देकर ४, हार्दिक पांड्या ने ३ विकेट निकालकर पाकिस्तान को १४७ रनों पर ही रोक दिया। मोहम्मद रिजवान ने सर्वाधिक ४३ रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने विराट कोहली के ३५, जडेजा के ३५ तो हार्दिक पांड्या के ३३ रनों की बदौलत छह विकेट से मैच जीत लिया गेंदबाजी में और बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन करने वाले हार्दिक पंड्या प्लेअर ऑफ द मॅच रहे।

पाकिस्तान : भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने टीम इंडिया को अच्छी शुरूआत दी। पहले ओवर में रिजवान भले ही डीआरएस के कारण बच गए लेकिन तीसरे ही ओवर में भुवनेश्वर ने शानदार गेंद डाल पाक कप्तान बाबर आजम को १० रन पर अर्शदीप के हाथों कैच आउट करवा दिया।

रिजवान ने इसके बाद हाथ दिखाए। उन्होंने आवेश के एक ओवर में एक छक्का और एक चौका भी लगाया। लेकिन इसी ओवर में फखर जमां के बल्ले का महीन किनारा विकेटकीपर दिनेश कार्तिक के दस्तानों में समा गया। गेंद काफी ऊंची थी जिसको कट मारने के चक्कर में फखर विकेट गंवा बैठे।

मोहम्मद रिजवान के साथ मिलकर इफ्तिखार अहमद ने पारी को संभाला। अहमद ने २२ गेंदों में २ चौके और एक छक्के की मदद से २८ रन बनाए। उन्हें हार्दिक पांड्या ने विकेटकीपर दिनेश कार्तिक के हाथों कैच आउट कराया। तब तक पाकिस्तान ८७/३ तक पहुंच चुका था।

पाकिस्तान ने तेजी से रन बनाने की कोशिश की लेकिन इसी बीच रिजवान हार्दिक की उठती हुई गेंद को सीधा आवेश खान के हाथ में मार बैठे। रिजवान ने ४२ गेंदों चार चौके और एक छक्के की मदद से ४३ रन बनाए। पांड्या ने दो गेंदों बाद ही खुशदिल शाह को भी पवेलियन की राह दिखा दी। खुशदिल दो ही रन बना पाए।

रोहित शर्मा ने रणनीति बदलते हुए भुवनेश्वर कुमार को दोबारा गेंद सौंपी। क्योंकि रन गति थम गई तो ऐसे में पाक के पुछल्ले बल्लेबाजों ने बड़े शॉट लगाने की कोशिश की। इसी बीच भुवनेश्वर कुमार की बेहतरीन गेंद पर आसिफ अली (९) सूर्यकुमार को कैच थमा बैठे। गेंद एक बार फिर अर्शदीप के हाथ आई। जिन्होंने पहले दो ओवर में सिर्फ १२ रन दिए थे। उन्होंने पहली ही गेंद पर मोहम्मद नवाज (१) को पवेलियन की राह दिखा दी।

इससे अगले ही ओवर में भुवी की एक सीधी गेंद को शादाब खान खेल नहीं पाए और १० रन बनाकर पगबाधा आउट हो गए। भुवी ने इससे अगली ही गेंद पर नसीम शाह को भी पगबाधा आउट कर दिया। पाकिस्तान की ओर से आखिरी विकेट पर शाहनवाज दहानी ने बल्ले के साथ कुछ अच्छे शॉट लगाए। उन्हें अर्शदीप ने आउट कर अपनी दूसरी विकेट ली।

भारत : पाकिस्तान ने अच्छी शुरूआत करते हुए पहली ही ओवर में केएल राहुल को पवेलियन की राह दिखा दी। इसी ओवर में विराट कोहली भी आउट होने से बचे।उनकी स्लिप में गई कैच को फखर अच्छे से पकड़ नहीं पाए।

विराट ने इसका पूरा फायदा उठाया और कुछ बड़े शॉट लगाए। वहीं, रोहित काफी धीमे रहे। ८ ओवर में जब भारत ५० रन बना चुकी थी तब रोहित का विकेट गिर गया। उन्होंने १८ गेंदों में महज १२ रन बनाए। १०वें ओवर में विराट भी बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में आउट हो गए। उन्होंने ३४ गेंदों में तीन चौके और एक छक्के की मदद से ३५ रन बनाए।

क्रीज पर आए सूर्यकुमार यादव और रविंद्र जडेजा ने धीरे-धीरे पारी को आगे बढ़ाया। सूर्यकुमार १८ रन बनाकर नसीम शाह की गेंद पर बोल्ड हो गए। यह नसीम का दूसरा विकेट रहा। इससे पहले उन्होंने केएल राहुल को भी बोल्ड किया था।

लेकिन अंत में हार्दिक पांड्या और रविंद्र जडेजा क्रीज पर जम गए। जडेजा २९ गेंदों में दो चौके और दो छक्कों की मदद से ३५ रन बनाकर मोहम्मद नवाज की गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद जिम्मेदारी हार्दिक पांड्या पर आ गई। उन्होंने टीम इंडिया को छक्का लगाकर शानदार जीत दिलाई।

पीएम मोदी ने दी जीत की बधाई

नई दिल्ली : हार्दिक पंड्या ने नवाज की गेंद पर छक्का लगाकर भारत को जीत दिलाई। भारतीय टीम की रोमांचक जीत पर पीएम मोदी ने भी बधाई दी है। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा टीम इंडिया ने आज एशिया कप २०२२ के मैच में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया. टीम ने शानदार कौशल और धैर्य का प्रदर्शन किया है. आपको जीत की बधाई।

नीरज चोपड़ा ने म्यूजियम को दिया था भाला

स्विटजरलैंड के एक और शहर लुसाने में नीरज चोपड़ा ने बीते दिनों अपना सबसे बेशकीमती भाला ओलिंपिक म्यूजियम को उपहार में दे दिया था। चोपड़ा पिछले साल टोक्यो में खेलों में ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धा में पदक जीतने वाले भारत के पहले एथलीट बने थे। उन्होंने भाला फेंक स्पर्धा में ८७.५८ मीटर की दूरी के साथ यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की थी। इस संग्रहालय में १२० वर्षों का समृद्ध संग्रह है, जिसमें अभिनव बिंद्रा की २००८ बीजिंग ओलिंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली राइफल भी शामिल है। बिंद्रा २००८ में व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। ओलंपिक विरासत को संरक्षित करने के मकसद से शुरू किये गये इस संग्रहालय का प्रबंधन अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की विरासत टीम करती है।

पटना में मंगलवार ३० अगस्त को नदी का जल स्तर लगातार बढ़ ने से गंगा नदी के तट पर मरीन ड्राईव पर पानी भर गया

नीरज चोपड़ा डायमंड लीग फाइनल जीतने वाले पहले भारतीय

नई दिल्ली : भारतीय एथलीट नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। तोक्यो ओलिंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले अपने भालेबाज ने डायमंड लीग फाइनल भी जीत लिया। यह कारनामा करने वाले वह भारत के पहले एथलीट हैं, उनसे पहले किसी दूसरे भारतीय ने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में पहली पोजिशन हासिल नहीं की थी।

फाउल के बाद पकड़ी रफ्तार

स्विटजरलैंड के ज्यूरिख में हुए डायमंड लीग फाइनल में नीरज की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। पहला थ्रो फाउल फेंकने के बाद दूसरी कोशिश में उन्होंने ८८.४४ मीटर दूर भाला थ्रो करके दूसरे खिलाड़ियों पर लीड बना ली थी। जो अंत तक जारी रही। तीसरे प्रयास में नीरज ने ८८.०० मीटर, चौथे में ८६.११ मीटर, पांचवें में ८७.०० मीटर और छठे प्रयास में ८३.६० मीटर दूर भाला फेंका। नीरज ने इससे पहले साल २०१७ और २०१८ में भी फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था, जहां वह क्रमशः सातवें और चौथे स्थान पर थे।

एक लाख से अधिक गांवों ने प्राप्त किया ओडीएफ प्लस दर्जा

नई दिल्ली : भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रम स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण (एसबीएम-जी) ने आज एक और प्रमुख उपलब्धि प्राप्त की है। १०१४६२ गांवों ने खुद को ओडीएफ (खुले में शौच मुक्त) प्लस घोषित किया है। ये गांव अपनी ओडीएफ स्थिति को बनाए हुए हैं और ठोस और/या तरल कचरे के प्रबंधन के लिए प्रणाली मौजूद हैं और वे अपनी स्वच्छता यात्रा जारी रखेंगे क्योंकि वे अपने गांवों को स्वच्छ, हरा-भरा और स्वस्थ बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लगभग आठ वर्ष पहले, लाल किला की प्राचीर से स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य महात्मा गांधी को उनकी १५० वीं जयंती पर श्रद्धांजलि के रूप में देश को खुले में शौच से मुक्त बनाना था। श्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में पूरा देश, दुनिया के सबसे बड़े व्यवहार परिवर्तन अभियान में एक साथ आया और अपने लक्ष्य को हासिल किया। २ अक्टूबर २०१९ को संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित सतत विकास लक्ष्य-एसडीजी-६ लक्ष्य से ११ वर्ष पहले देश का ग्रामीण क्षेत्र खुले में शौच से मुक्त हो गया है। लेकिन, यह इस अभियान का अंत नहीं था, बल्कि इसने एक और अधिक चुनौतीपूर्ण, और अधिक आवश्यक कार्य: देश के गांवों को ओडीएफ प्लस बनाने के लिए संपूर्ण स्वच्छता या पूर्ण स्वच्छता सुनिश्चित करने की आवश्यकता के कार्य की नींव रखी। एक लाख से अधिक गांवों का ओडीएफ प्लस होना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है, यह देखते हुए कि ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन की प्रक्रिया प्रकृति में तकनीकी है, ग्रामीण भारत के लिए अपेक्षाकृत नई है और दूसरी पीढ़ी का विषय है। शौचालयों के प्रावधान ने मल अपशिष्ट के प्रबंधन की आवश्यकता को जन्म दिया है। इसके अलावा, पीने योग्य पानी की आपूर्ति के साथ, अधिक अपशिष्ट जल उत्पन्न हो रहा है जिसे उपचारित करने और पुनः उपयोग करने की आवश्यकता है; और जीवनशैली में बदलाव और पैकेज्ड खाद्य उत्पादों के उपयोग के साथ, अधिक प्लास्टिक कचरे के उत्पन्न होने का खतरा ग्रामीण क्षेत्रों में बुरी तरह से सामने आ रहा है और इसे प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने की आवश्यकता है।

और यही स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण (एसबीएम-जी) के दूसरे चरण के बारे में है - सभी प्रकार के कचरे का उचित प्रबंधन करना, जो न केवल हमारे गांवों को स्वच्छ बनाएगा, बल्कि ग्रामीण परिवारों के लिए आय पैदा करने और सतत विकास लक्ष्यों की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए आजीविका के नए अवसर सृजित करने के अवसर भी पैदा करेगा। स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण सफाई और सुरक्षित स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को सुदृण करता है और इस तरह अपने नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करता है।

शुरुआत में, पेय जल और स्वच्छता विभाग-डीडीडब्ल्यूएस ने एक गांव को ओडीएफ प्लस घोषित करने की प्रक्रिया में मध्यवर्ती चरणों की शुरुआत की थी, यह देखते हुए कि एक गांव को ओडीएफ प्लस घोषित करने से पहले सभी गांव मल कीचड़ प्रबंधन (एफएसएम), बायोडिग्रेडेबल कचरा प्रबंधन (बीडब्ल्यूएम), प्लास्टिक कचरा प्रबंधन (पीडब्ल्यूएम) और दूषित जल प्रबंधन (जीडब्ल्यूएम) के कार्यक्षेत्र के तहत सभी मानदंडों को पूरा नहीं कर सकते हैं। वर्तमान में ओडीएफ प्लस - आकांक्षी श्रेणी में ५४७३४ गांव हैं जिनमें सभी घरों और संस्थानों में व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों के माध्यम से स्वच्छता उपलब्ध कराने के अलावा, एसडब्ल्यूएम या एलडब्ल्यूएम की व्यवस्था है। ओडीएफ प्लस - राइजिंग श्रेणी में इस समय १९१११ गांव हैं जिनमें आकांक्षी श्रेणी के मानदंड के अलावा एलडब्ल्यूएम और एसडब्ल्यूएम दोनों की व्यवस्था है। जिन गांवों को ओडीएफ प्लस-मॉडल घोषित किया गया है, उन गांवों की संख्या इस समय २९६०७ है जिनमें उपरोक्त सभी मानदंड शामिल हैं और जहां आईईसी संदेशों को प्रमुखता से प्रसारित और प्रदर्शित किया जाता है।

इससे देश भर के ९९६४० गांवों में ठोस कचरा प्रबंधन की व्यवस्था हो गई है। इनमें से ७८९३७ गांव तरल अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाओं वाले; और लगभग ५७३१२ गांवों में कार्यात्मक ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र मौजूद हैं। शीर्ष पांच प्रदर्शन करने वाले राज्य तेलंगाना, तमिलनाडु, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश हैं जहां अधिकतम गांवों को ओडीएफ प्लस घोषित किया गया है।

यह देखते हुए कि ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन की प्रक्रिया तकनीकी है और ग्रामीण भारत के लिए अपेक्षाकृत नई है, राज्यों को वित्त पोषण, तकनीकी और क्षमता निर्माण सहायता के रूप में हर संभव सहायता दी जा रही है। एसबीएम (जी) के पहले चरण की तरह, सामुदायिक भागीदारी, इस अभियान की सफलता का अभिन्न अंग है क्योंकि यह आत्म-विकास और योगदान का मार्ग प्रशस्त करती है और यह अभियान की पहचान बन गई है। अभियान सफाई और सुरक्षित स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है और इस तरह से अपने नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करता है और वर्ष २०२४-२५ तक संपूर्ण, स्वच्छ और स्वस्थ भारत के हमारे सपने को पूरा करता है।

(पीआईबी से साभार)

पहली बार यूएस ओपन चैंपियन बनीं इगा स्वियातेक

ट्रॉफी के अंदर मिला सरप्राइज गिफ्ट

न्यूयॉर्क : दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक (खसर इुक्रशिंझ) ने यूएस ओपन (णड जशिप) का खिताब जीत लिया है। साल के अंतिम टेनिस ग्रैंड स्लैम के फाइनल में स्वियातेक की टक्कर ट्यूनीशिया की ओंस जेबूर से थी। २१ साल की स्वियातेक ने फाइनल मुकाबले को ६-२, ७-६ से अपने नाम किया। उन्होंने इस मुकाबले को जीतने में एक घंटे और ५१ मिनट का समय लिया। ५वीं सीड जेबूर ने लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम के फाइनल में हार मिली है।

पोलैंड की इगा स्वियातेक ने पहली बार यूएस ओपन का खिताब जीता है। वह चौथी बार टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही थीं। २०१९ में वह दूसरे, २०२० में तीसरे और २०२१ में चौथे राउंड तक पहुंची थीं। वहीं यह उनका कुल तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है। स्वियातेक ने २०२० में फ्रेंच ओपन के रूप में अपना पहला महिला सिंगल्स ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। इस साल भी उन्होंने फ्रेंच ओपन की ट्रॉफी जीती थी।

२०२२ की शुरुआत में इगा स्वियातेक रैंकिंग में ९वें स्थान पर थीं। अप्रैल में वह दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बन गईं। फरवरी से जुलाई के बीच तक इगा ने लगातार

३७ मैचों में जीत हासिल की। २१वीं सदी में यह लगातार सबसे ज्यादा जीत का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी है। २०२२ में इगा ने अभी तक ६४ मैच खेले हैं और इसमें उन्हें ५७ जीत मिली। वह दो ग्रैंड स्लैम समेत कुल ७ खिताब भी जीत चुकी हैं।

यूएस ओपन के आयोजकों ने इगा को ट्रॉफी के अंदर सरप्राइज रखकर दिया। इगा को इटैलियन मिठाई तिरामिसू का पसंद है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में आखिरी सवाल के बाद मॉडरेटर ने इगा स्वियातेक को सलाह दी कि अगर आप ट्रॉफी को खोलते हैं तो उसके अंदर कुछ हो सकता है। जब चैंपियन खिलाड़ी ने ट्रॉफी को खोला तो उसके अंदर तिरामिसू रखा था।

अनारक्षण में भी आरक्षण?

देश की विलक्षण राजनीति आरक्षण के इर्द-गिर्द ही टिकी हुई है, चाहे फिर कोई भी राजनीतिक दल क्यों न हो। बल्कि यह कहा जाए कि भारत का लोकतंत्र तो वोटों की राजनीति के दुष्चक्र में आरक्षण से केंद्रित होकर घूमता हुआ चारों तरफ से घिरा हुआ है, तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। यद्यपि उच्चतम न्यायालय ने अवश्य यह प्रतिबंध लगाया है कि ५० प्रतिशत से अधिक आरक्षण किसी भी स्थिति में, कहीं भी नहीं होना चाहिए। बावजूद इसके 'क्षते क्षारप्रक्षेपः' विभिन्न राज्य सरकारें समय-समय पर इस ५० प्रतिशत की सीमा का उल्लंघन कर आरक्षण की सीमा बढ़ाती रही हैं। और तब उच्चतम न्यायालय को उसमें हस्तक्षेप करना पड़ता है।

मध्य प्रदेश में सभी ५२ जिलों की २३०१२ ग्राम पंचायतें, ५२ जिला पंचायत, ३१३ जनपद पंचायते, ३६२७५४ पंच, २९८ नगर परिषद ७६ नगर पालिकाएं और १६ नगर निगमों के चुनाव संपन्न हुए हैं। प्रदेश में अनेक अनेक जगहों में यह देखने में आया कि अनारक्षित सामान्य वर्गो में भी आरक्षित वर्गों के प्रतिनिधियों को राजनीतिक पार्टियों ने चुनावों में उतारा है। एक अनुमान के अनुसार अधिकतर जिलों में उक्त स्थिति पायी गई है। जहां १८ नगर निगमों में लगभग २० से २५ प्रतिशत उम्मीदवार सामान्य अनारक्षित वार्डों से आरक्षित वर्गों के उम्मीदवारों ने चुनाव लडे। परिणाम स्वरूप सम्पन्न हुए स्थानीय शासन के सम्पूर्ण चुनावों में कुल ५० प्रतिशत से अधिक आरक्षित व्यक्ति चुनाव लड़े है। यानी 'ज्यादा जोगी मठ उजाड़' जैसी स्थिति पैदा हो गयी है। यद्यपि यह संविधान या किसी कानून का उल्लंघन अवश्य नहीं है, परन्तु उच्चतम न्यायालय द्वारा स्थापित आरक्षण के संबंध में खीची गई लक्ष्मण रेखा की भावना का खुल्लम-खुल्ला 'वैधानिक' तरीके से उल्लंघन जरूर है। निश्चित रूप से यह परिस्थिति सामान्य वर्ग के व्यक्तियों के हकों पर कुठाराघात है। इसलिए आरक्षित वर्ग को 'अपनी ही खाल में मस्त रहने का सुख' प्रदान करने वाले इस वैधानिक कवच व आवरण को हटाये जाने की महती आवश्यकता है।

अतः यह कानून बनाये जाने की तुरंत आवश्यकता है कि सामान्य वर्ग से आरक्षित वर्ग का व्यक्ति चुनाव ही नहीं लड़ सके, ऐसा प्रावधान पंचायत अधिनियम व जनप्रतिनिधित्व कानून में किये जाने की नितांत आवश्यकता है। मेरे बैतूल जिले में भी स्थानीय शासन के चुनावों में ऐसे अनेक उदाहरण देखने को मिलेंगे। यह कोई पढ़ाई की कक्षा नहीं है, जहां आरक्षित वर्ग के व्यक्ति अनारक्षित वर्ग को चुनकर अपनी योग्यता को प्रमाणित कर चयनित होता है। शायद वह ऐसा इसलिए करता है कि यह चयन उसके व्यक्तित्व के विकास को और गति व संबल प्रदान करती है।

अब जनपद, जिला पंचायत, नगर पंचायत और नगरपालिका व नगर निगमों के अध्यक्षों के चुनाव संपन्न होना शेष है, जिसकी प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ होने वाली है। ऐसा लगता है कि इन संस्थाओं के अध्यक्षों के चुनाव में भी 'अंधे की रेवड़ी समान' कई जगह सामान्य वर्ग में भी आरक्षित वर्ग के व्यक्तियों की उम्मीदवारों का चयन राजनीतिक दल करेंगे। मेरे जिले बैतूल में जिला पंचायत पहली बार व नगरपालिका परिषद सालो-साल बाद सामान्य वर्ग की होने के बावजूद आरक्षित वर्ग के सदस्यों को अध्यक्षीय उम्मीदवार बनाएं जाने की चर्चा जोरों पर है।

बड़ा प्रश्न यह उत्पन्न होता है की जातिगत आरक्षण की व्यवस्था संविधान में अस्थायी रूप से की गई है। अर्थात जिस उद्देश्य (समग्र विकास व उत्थान) के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई है, उसकी पूर्ति हो जाने पर यह व्यवस्था समाप्त हो जाएगी, ऐसा संविधान निर्माताओं ने आरक्षण का प्रावधान करते समय सोचा था। परन्तु वर्तमान में क्या स्थिति हुई है, आप हम सब जानते है।

यदि आरक्षण के बनाये रखने के समर्थन में यह तर्क दिया जाता है कि कमजोर वर्ग का उत्थान अभी तक नहीं हुआ है, इसलिए आरक्षण की व्यवस्था आज भी चलते रहना चाहिए। तो फिर आपको यह सोचना होगा कि ७५ साल के लगातार आरक्षण के कवच व सुविधा के बावजूद, यदि विकास व उत्थान नहीं हुआ तो इसका मतलब साफ है कि सिर्फ आरक्षण से इन वर्गों का विकास व उत्थान आगे भी संभव नहीं हो पायेगा। और यह नीति कहीं न कहीं गलत या अपूर्ण है। अतः इसके विकल्प पर विचार करना होगा। अनुसूचित जाति के रामनाथ कोविंद के राष्ट्रपति बनने के बावजूद 'ऊंना कांड' से लेकर दलित उत्पीड़न की अनेक घटनाएं उनके कार्यकालों में घटी।

दूसरी स्थिति में अर्थात् विभिन्न विकास हो जाने का दावा किये जाने की स्थिति में भी आरक्षण का उद्देश्य पूरा हो जाने से भी उसे समाप्त करना होगा। परंतु चुनावी वोट की राजनीति के चलते वर्तमान में स्थिति बद से बदतर हो रही है। आरक्षण समाप्त होने के बजाय जो शेष अनारक्षित क्षेत्र रह गया है, वहां भी आरक्षित वर्ग के व्यक्तियों को तरजीह (प्रिफरेंस) दी जा रही है, जो किसी भी रूप में उचित नहीं कही जा सकता है। सामान्य वर्ग, पिछड़े, कुचले, गरीब, अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए आरक्षण के खिलाफ नहीं है। तथापि वह जातिगत आरक्षण के बजाय आर्थिक आधार पर आरक्षण चाहता है, जिसमें आर्थिक रूप से पिछड़ा सामान्य वर्ग भी शामिल हो। सामान्य रूप से आर्थिक आधार पर आरक्षण दिये जाने से वह मात्र 'ऊंट के मुंह में जीरा' समान है, जिससे सामान्य वर्ग की संतुष्टि नहीं होती है।

वस्तुतः सामान्य वर्ग अपनी आवाज को आरक्षित वर्ग के समान वोट के रूप में एक मजबूत धागे में पिरोकर एक-जाए रूप से मजबूत न कर वर्तमान राजनीति में वह एकमात्र उपेक्षित वर्ग हो गया है, और इस वर्ग की स्थिति 'अपना लाल गंवाय के दर-दर मांगे भीख' जैसी रह गया है, इनका उपयोग प्रत्येक राजनीतिक दल समय आने पर अपने हित में तो बरगलाकर कर लेता है। परन्तु उस वर्ग के हितों की बात 'नक्कारखाने में तूती की आवाज' बनकर रह जाती है, और कोई राजनीतिक दल अन्य वर्गो के विपरीत सामान्य वर्ग के थोक वोटों में कमजोर होने के चक्कर में उनकी चिंता नहीं करता। मध्यप्रदेश में सपाक्स पार्टी का जन्म ही सामान्य वर्ग के कर्मचारियों व आम जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए हुआ था। परंतु दुर्भाग्यवश सक्षम नेतृत्व विहीन सपाक्स पार्टी इस दिशा में आगे कुछ नहीं कर पायी और 'दूर के ढोल सुहावने' हो कर रह गयी।

अतः यदि समाज में वर्ग विभेद-जाति विभेद को समाप्त करना है और समरसता लानी है, तब आपको अनारक्षित वर्ग को और आगे व्यवधान डाले बिना धीरे-धीरे उनका क्षेत्र बढ़ाना होगा और आरक्षित वर्ग के क्षेत्र को कम करना होगा। और एक स्थिति ऐसी लानी होगी, जब देश में समाज में आरक्षित और अनारक्षित वर्ग का विभाजन प्रायः समाप्त हो जाए। तभी देश में पूर्व समरसता आ जाएगी जो देश के विकास को ज्यादा गति प्रदान करेगी। अंततः तभी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मूल मंत्र 'सबका साथ सबका विकास' को धरातल पर उतारकर उसे सार्थक कर सकेंगे।

(लेखक वरिष्ठ कर सलाहकार एवं पूर्व सुधार न्यास अध्यक्ष है)

क्या मायने है कांग्रेस विधायको की नोट बंडलो के साथ हुई गिरफ्तारी के?

रांची : झारखंड में नोटों की बदौलत सत्ता में उलट-पलट का एक बड़ा खेल अंजाम तक पहुंचने के पहले बिगड़ गया. बंगाल के हावड़ा जिले में शनिवार देर शाम बड़ी मात्रा में कैश के साथ झारखंड के तीन कांग्रेस विधायकों के पकड़े जाने के बाद इस 'खेल' को लेकर तरह-तरह की खबरें चल रही हैं. इस खेल की बिसात किसने बिछायी और इसमें कितने और कौन-कौन से किरदार-हिस्सेदार हैं, इन तमाम बातों का खुलासा तो शायद पुख्ता जांच से ही हो पायेगा, लेकिन फिलहाल इसकी कड़ियां झारखंड से लेकर असम तक और बंगाल से लेकर दिल्ली तक जोड़ी जा रही हैं.

इसे लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला भी शुरू हो गया है. कांग्रेस जहां इसे ऑपरेशन लोटस का हिस्सा बता रही है, वहीं भाजपा इसे कांग्रेस नेताओं के भ्रष्टाचार का जीवंत मामला बताते हुए हमलावर हो गयी है. ३० जुलाई शनिवार की देर शाम झारखंड के तीन कांग्रेस विधायकों डॉ इरफान अंसारी, राजेश कच्छप और नमन विक्सल कोंगाड़ी को पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिला अंतर्गत पंचला थाना के रानीहाटी में नोटों के बैग के साथ पकड़ा गया था. देर रात नोटों की गिनती हुई तो कुल रकम ४८ लाख रुपये पायी गयी.

ये तीनों विधायक दो अन्य सहयोगियों के साथ एक एसयूवी में जा रहे थे, पश्चिम बंगाल की पुलिस ने खुफिया इनपुट के आधार पर इन्हें चेकिंग के दौरान पकड़ा. इस एसयूवी पर झारखंड के जामताड़ा विधायक का बोर्ड लगा था. पुलिस हिरासत में लिये गये तीनों विधायक गाड़ी से मिले कैश के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं दे सके. बताया जा रहा है कि ये लोग असम से बंगाल के रास्ते झारखंड पहुंचने वाले थे.

झारखंड कांग्रेस के प्रभारी और पार्टी के केंद्रीय महासचिव अविनाश पांडेय कहते हैं, यह झारखंड में सरकार को अस्थिर करने की भाजपा की शर्मनाक साजिश का हिस्सा है. हमारे जो तीन विधायक कैश के साथ पकड़े गये हैं, उन्हें पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी के निर्देश पर पार्टी से सस्पेंड कर दिया गया है. हमें शर्म आती है ऐसे विधायकों पर जो बिकते हैं और उससे भी ज्यादा उनपर लानत है जो विधायकों को खरीदने का प्रयास करते हैं.

दूसरी तरफ भाजपा इसे कांग्रेस के भ्रष्टाचार का जीवंत उदाहरण बता रही है. झारखंड भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी कहते हैं, भ्रष्टाचार में डूबी झारखंड सरकार का हरेक घटक राज्य को अंदर से खोखला करने में जुटा है. मुख्यमंत्री से लेकर विधायक तक पर गंभीर आरोप हैं. झारखंड से कांग्रेस के तीन विधायकों के बंगाल में पैसे लेकर पकड़े जाने पर जहां झारखंड देश-दुनिया में यह राज्य शर्मसार हुआ है. हम केंद्र सरकार से भी मांग करते हैं की इनकम टैक्स और ईडी को जांच कर पैसे देने वालों के स्रोत का पता लगाना चाहिए.

कांग्रेस तो भाजपा पर सरकार गिराने की साजिश का आरोप लगा रही है? इस सवाल पर मरांडी कहते हैं, अपने विधायकों के मोटी रकम के साथ पकड़े जाने पर कांग्रेस अपने पाप छुपाने की हास्यास्पद कोशिश कर रही है. भाजपा को बदनाम करने का कांग्रेस का यह नाटक शर्मनाक है.

भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे कहते हैं, कांग्रेस विधायकों के पास कैश पकड़े जाने की जांच सीबीआई और ईडी को अपने हाथ में लेनी चाहिए. यह भ्रष्टाचार का मामला है. हमें तो अपने विश्वस्त सूत्र से पता चला है झारखंड की मौजूदा सरकार ने सदन में अपना बहुमत लाने के लिए कांग्रेस को तोड़ने की साजिश रची.

इन सियासी आरोपों-प्रत्यारोपों से बीच जो कहानी सियासी गलियारे में तैर रही है, उसके अनुसार झारखंड के कांग्रेस विधायकों के एक समूह ने पिछले कुछ दिनों से अपनी ही सरकार में उथल-पुथल का प्लान रचा था.

बताया जा रहा है कि झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के एक पूर्व अध्यक्ष की दिल्ली के एक फाइव स्टार में कुछ लोगों के साथ बैठक हुई. इसके बाद पांच विधायकों को इस प्लान से जोड़ा गया.

पश्चिम बंगाल में कैश के साथ पकड़े गये तीनों विधायक भी इस प्लान में शामिल थे बल्कि हवा में अभी बात कर रही है कांग्रेस के एक विधायक और थे जो करो रुपया लेकर दूसरे एसयूवी में चल रहे थे पर पुलिस की नाकाबंदी और गाड़ी की चेकिंग देख वहां से खिसक लिए. यह सभी बातें तो बंगाल पुलिस य ईडी जांच में ही पता चल सकेगा राज्य मैं यह भी आम चर्चा है कि एक भाजपा शासित प्रदेश के मुख्यमंत्री की भी इस प्लान में भूमिका रही है.

गौरतलब है कि राष्ट्रपति चुनाव में झारखंड कांग्रेस के १८ में से ९ विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की थी. यह बात कांग्रेस नेतृत्व भी स्वीकार करता है. कांग्रेस विधायकों के एक गुट ने पार्टी आलाकमान के निर्देशों से अलग अपनी अलहदा लाइन पकड़ ली है.

अब भारी कैश के साथ तीन विधायकों की गिरफ्तारी के बाद सत्ता में उलट-पुलट का एक खेल तो फिलहाल फेल हो गया है, लेकिन मामले की जांच जैसे-जैसे बढ़ेगी, इसमें नये मोड़ आयेंगे. यह तय माना जा रहा है कि आनेवाले दिनों में झारखंड की सियासत और सत्ता समीकरण में कुछ नया फेरबदल देखने को मिल सकता है. जो झारखंड वासियों के लिए किसी रोमांच से कम नहीं है।

नागपुर में वयोश्री एवं अदीप के तहत निशुल्क उपकरण प्रदान

केंद्रीय मंत्री नितीन गडकरी ने की पहल

नई दिल्ली : केंद्रीय सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने केंद्र सरकार की राष्टीय वयोश्री एवं अदीप (दिव्यांगों को सहायता) योजनाओं के तहत नागपुर में वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग जनों को निशुल्क उपकरण और अन्य सामग्री प्रदान की।

केंद्र सरकार ने २०१६ में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दिव्यांग जन अधिकार कानून बनाया था। राष्टीय वयोश्री योजना के तहत २७ फरवरी से २३ अप्रैल २०२२ तक वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग जनों के लिए स्क्रीनिंग कैंप आयोजित किए गए, जिसमें नागपुर शहर में २८,००० और ग्रामीण नागपुर में ८,००० सहित लगभग ३६,००० लोगों की स्क्रीनिंग की गई। उन सभी को उपकरण और सामग्री वितरित की गई। इन सभी उपकरणों और सामग्रियों की कुल लागत ३४.८३ करोड़ रुपये है।

नागपुर शहर के सभी ६ विधानसभा क्षेत्रों में इन उपकरणों के वितरण के लिए कार्यकम आयोजित किए जा रहे हैं, इसी श्रृंखला में १ सितंबर को दूसरा कार्यक्रम आयोजित किया गया। आज पूवी नागपुर विधानसभा क्षेत्र के ४,५४९ लाभार्थियों को कुल ३४,१३० उपकरण दिए गए हैं, जिनकी कुल लागत ४.८२ करोड़ रुपये से अधिक है।

इन ४३ प्रकार के उपकरणों में मुख्य रूप से थ्रीव्हीलर, साइकिल (हाथ से संचालित), व्हील चेयर, वॉकिंग स्टिक, डिजिटल हियरिंग एड, दृष्टिबाधित लोगों के लिए स्क्रीन रीडिंग के साथ स्मार्ट फोन, ब्रेल कैन (फोल्डिंग कैन) के अलावा कृत्रिम हाथ और पैर शामिल हैं।

उज्वल भारत उज्वल भविष्य : पॉवर @ २०४७ कार्यक्रम में शामिल हुए शिवराजसिंह चौहान

भोपाल : प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने उज्ज्वल भारत उज्ज्वल भविष्य - पॉवर @ २०४७ कार्यक्रम को वीडियो कांफ्रेंसिंग से संबोधित किया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मंत्रालय से वर्चुअली सम्मिलित हुए तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन का श्रवण किया। मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, प्रमुख सचिव ऊर्जा संजय दुबे उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उज्ज्वल भारत उज्ज्वल भविष्य - पॉवर @ २०४७ कार्यक्रम के समापन पर कहा कि ऊर्जा क्षेत्र की मजबूती ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के साथ ईज ऑफ लिविंग के लिए भी महत्वपूर्ण है। आज आरंभ की गई परियोजनाएँ भारत के नवकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों, प्रतिबद्धता और इसकी हरित गतिशीलता की आंकाक्षाओं को मजबूत करेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बताया कि पिछले ८ वर्षों में देश में लगभग एक लाख ७० हजार मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता जोड़ी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के विभिन्न राज्यों के हितग्राहियों से वर्चुअली संवाद भी किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनटीपीसी की ५ हजार २०० करोड़ से अधिक की विभिन्न हरित ऊर्जा परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास और नेशनल सोलर रूफटॉप पोर्टल का शुभारंभ भी किया। प्रधानमंत्री द्वारा तेलंगाना और केरल की परियोजनाओं का उद्घाटन, राजस्थान की सौर परियोजना और लेह एवं गुजरात की हाइड्रोजन परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई।

उल्लेखनीय है कि आजादी के अमृत महोत्सव में २५ से ३० जुलाई तक उज्ज्वल भारत उज्ज्वल भविष्य - पॉवर २०४७ का देश में आयोजन किया गया है। कार्यक्रम से विभिन्न जिले जुड़े हैं। इसका उद्देश्य पिछले ८ वर्षों में देश में बिजली के क्षेत्र में आए परिवर्तन को प्रदर्शित करना है। कार्यक्रम में विद्युत संबंधी नवाचारों, योजनाओं के संबंध में जागरूकता और जन-भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं।

जन-धन योजना के सफल कार्यान्वयन के आठ साल पूरे

नई दिल्ली : वित्तीय समावेशन की अपनी पहलों के जरिए, वित्त मंत्रालय हाशिए पर रहने वाले और अब तक सामाजिक-आर्थिक रूप से उपेक्षित वर्गों का वित्तीय समावेशन करने और उन्हें सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। वित्तीय समावेशन (एफआई) के माध्यम से हम देश में एक समान और समावेशी विकास को हासिल कर सकते हैं। वित्तीय समावेशन का मतलब है- कमजोर समूहों जैसे निम्न आय वर्ग और गरीब वर्ग, जिनकी सबसे बुनियादी बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच नहीं है, उन्हें समय पर किफायती दर पर उचित वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराना।

यह महत्वपूर्ण है क्योंकि यह गरीबों की बचत को औपचारिक वित्तीय प्रणाली में लाने का अवसर प्रदान करता है, गांवों में अपने परिवारों को पैसे भेजने के अलावा उन्हें सूदखोर साहूकारों के चंगुल से बाहर निकालने का मौका देता है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) इस प्रतिबद्धता की दिशा में एक अहम पहल है, जो वित्तीय समावेशन से जुड़ी दुनिया की सबसे बड़ी पहलों में से एक है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने १५ अगस्त २०१४ को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिए अपने संबोधन में प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) की घोषणा की थी। २८ अगस्त को इस योजना की शुरुआत करते हुए, प्रधानमंत्री ने इस मौके को गरीबों की एक दुष्चक्र से मुक्ति का उत्सव कहा था।

पीएमजेडीवाई की ८वीं वर्षगांठ पर केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन ने कहा कि वित्तीय समावेशन समावेशी विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है जो समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों के समग्र आर्थिक विकास को सुनिश्चित करता है। २८ अगस्त २०१४ से पीएमजेडीवाई की सफलता ४६ करोड़ से ज्यादा बैंक खाते खुलने और उसमें १.७४ लाख करोड़ जमा होने से स्पष्ट पता चलती है। इसका विस्तार ६७ फीसदी ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्रों तक हो चुका है और ५६ फीसदी जनधन खाताधारक महिलाएं हैं। २०१८ से आगे पीएमजेडीवाई के जारी रहने से देश में वित्तीय समावेशन परिदृश्य की उभरती चुनौतियों और आवश्यकताओं को पूरा करने के दृष्टिकोण में उल्लेखनीय बदलाव आया।

आईडीपी के लिए अधिसूचना जारी

नई दिल्लीः सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने देश में अंतर्राष्ट्रीय ड्राइविंग परमिट (आईडीपी) जारी करने के लिए नागरिकों को अधिक सुविधा प्रदान करने हेतु २६ अगस्त २०२२ को एक अधिसूचना जारी की है।

भारत १९४९ के अंतर्राष्ट्रीय सड़क यातायात कन्वेंशन (जिनेवा कन्वेंशन) पर हस्ताक्षर करने वाला देश है। इसलिए इसे अन्य देशों के साथ पारस्परिक आधार पर इसे स्वीकार करने के लिए, इस कन्वेंशन की शर्त के अनुसार आईडीपी जारी करना आवश्यक है।

वर्तमान में देश के विभिन्न राज्यों में जारी किए जा रहे आईडीपी का प्रारूप, आकार, पैटर्न और रंग अलग-अलग था। इस कारण देश के अनेक नागरिकों को अन्य देशों में अपने-अपने आईडीपी के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

अब इस संशोधन के तहत आईडीपी के प्रारूप, आकार, रंग आदि को पूरे भारत में जारी करने और जिनेवा कन्वेंशन के अनुपालन में मानकीकृत किया गया है। आईडीपी को ड्राइविंग लाइसेंस से जोड़ने के लिए क्यूआर कोड का भी प्रावधान किया गया है। नियामक प्राधिकरणों की सुविधा के लिए विभिन्न कन्वेंशनों और केंद्रीय मोटर वाहन नियमावली, १९८९ में वाहन श्रेणियों की तुलना को भी शामिल किया गया है। हेल्पलाइन नंबर और ईमेल भी उपलब्ध कराए गए हैं।

भारत-अमेरिका के विशेष बलों का संयुक्त अभ्यास

नई दिल्लीः भारत- अमेरिका संयुक्त विशेष बल अभ्यास वज्र प्रहार- २०२२ का १३वां संस्करण २८ अगस्त, २०२२ को बकलोह (हिमाचल प्रदेश) में संपन्न हुआ। इस वार्षिक अभ्यास का आयोजन बारी-बारी से भारत और अमेरिका में किया जाता है। इससे पहले इसके १२वें संस्करण को अक्टूबर, २०२१ में अमेरिका के वाशिंगटन स्थित जॉइंट बेस लुईस मैक कॉर्ड में आयोजित किया गया था।

इस २१ दिवसीय संयुक्त प्रशिक्षण ने दोनों देशों के विशेष बलों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत एक संयुक्त वातावरण में हवाई परिचालन, विशेष संचालन और आतंकवाद विरोधी अभियानों में प्रशिक्षित करने का अवसर प्रदान किया। इस अभ्यास को दो चरणों में आयोजित किया गया। पहले चरण में युद्ध अनुकूलन और सामरिक स्तर के विशेष मिशन प्रशिक्षण अभ्यास शामिल थे। वहीं, दूसरे चरण के तहत पहले चरण में दोनों दलों द्वारा प्राप्त प्रशिक्षण के ४८ घंटे के सत्यापन को शामिल किया गया था।

दोनों सैन्य टुकड़ियों ने पहाड़ी इलाकों में बनावटी पारंपरिक और अपरंपरागत परिस्थतियों में कृत्रिम परिचालन की एक श्रृंखला का संयुक्त प्रशिक्षण, योजना और निष्पादन कर अपने प्राप्त किए गए मानक और सर्वश्रेष्ठ अभ्यासों को साझा करने को लेकर अभ्यास के परिणामों पर काफी अधिक संतुष्टि व्यक्त की।

अमेरिकी विशेष बलों के साथ वज्र प्रहार अभ्यास मौजूदा वैश्विक स्थिति की पृष्ठभूमि में दोनों राष्ट्रों के सामने आने वाली सुरक्षा चुनौतियों को लेकर महत्वपूर्ण है। इस संयुक्त सैन्य अभ्यास ने भारत व अमेरिका के विशेष बलों के बीच मित्रता के पारंपरिक संबंध के साथ-साथ आपसी द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और अधिक मजबूत किया है।

वैश्विक मानकों के अनुसार हो बुनियादी ढांचे का निर्माण

श्री नितिन गडकरी ने राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा

नई दिल्ली : केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने कहा कि हमें भारतीय बुनियादी ढांचे को विश्वस्तरीय बनाना है। उन्होंने कहा, मैंने तय किया है कि साल २०२४ के अंत तक बिहार और उत्तर प्रदेश समेत देश में सड़क बुनियादी ढांचे को अमेरिका के सड़क बुनियादी ढांचे के स्तर का बनाना है। परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने यह बात मुंबई में एसोसिएशन ऑफ कंसल्टिंग सिविल इंजीनियर्स (एसीसीई) द्वारा संबंधित उद्योगों के सिविल इंजीनियरों और पेशेवरों के लिए आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही।

सम्मेलन में इंजीनियरों और उद्योग जगत के पेशेवरों को संबोधित करते हुए श्री गडकरी ने कहा कि भारत में बुनियादी ढांचे में काफी संभावनाएं हैं। 'भारतीय बुनियादी ढांचे में, सड़क निर्माण, नदी संपर्क, ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन, पार्किंग प्लाजा, सिंचाई, बसपोर्ट, रोपवे और केबल कार परियोजनाओं के लिए बड़ी संभावनाएं हैं'। सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की चल रही विभिन्न परियोजनाओं के बारे में बोलते हुए, श्री गडकरी ने कहा: हम २ लाख करोड़ रुपये के २६ ग्रीन एक्सप्रेस हाईवे और लॉजिस्टिक्स पार्क बना रहे हैं। साथ ही, हमारे पास कई इनोवेटिव आइडिया हैं जिनके द्वारा हम बुनियादी ढांचे को विकसित कर सकते हैं।

केंद्रीय परिवहन मंत्री ने आगे कहा कि भारतीय बुनियादी ढांचा क्षेत्र का भविष्य बहुत उज्ज्वल है। हमें दुनिया भर से और भारत के भीतर से अच्छी तकनीक, अनुसंधान, नवाचार और सफल प्रथाओं को स्वीकार करने की आवश्यकता है। हमें गुणवत्ता से समझौता किए बिना लागत कम करने के लिए वैकल्पिक सामग्रियों का उपयोग करना चाहिए। निर्माण में समय सबसे महत्वपूर्ण पहलू है और यह सबसे बड़ी संपत्ति है। श्री गडकरी ने सिविल इंजीनियरों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, रोजगार सृजन और विकास के लिए उनकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है।

सड़क निर्माण में हरित विकल्पों का उपयोग करने के अपने विचार को प्रस्तुत करते हुए, केंद्रीय परिवहन मंत्री ने कहा: आपको सीमेंट और अन्य कच्चे माल के विकल्प खोजने चाहिए। स्टील के स्थान पर ग्लास फाइबर स्टील का उपयोग किया जा सकता है। यदि प्रतिस्पर्धा है, तो लागत कम हो जाएगी और तर्कसंगत बन जाएगी।

वैकल्पिक ईंधन के उपयोग के विचार का समर्थन करते हुए केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी ने कहा कि हरित हाइड्रोजन भविष्य का ईंधन है। उन्होंने कहा कि पेट्रोलियम, कोयला और बायोमास, जैविक अपशिष्ट और सीवेज के पानी से हाइड्रोजन बनाया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा, 'मेरा सपना है कि हरित हाइड्रोजन एक डॉलर प्रति किलो पर उपलब्ध हो, जिसका इस्तेमाल कोयले और पेट्रोलियम के बजाय विमानन, रेलवे, बस, ट्रक, रसायन, उर्वरक उद्योग में किया जा सके।

श्री गडकरी ने कहा कि १ लीटर इथेनॉल की कीमत ६२ रुपए है लेकिन कैलोरी मान के मामले में १ लीटर पेट्रोल १.३ लीटर इथेनॉल के बराबर है। उन्होंने कहा, 'इंडियन ऑयल ने रूसी वैज्ञानिकों के साथ मिलकर काम करते हुए इस विचार पर काम किया और अब पेट्रोलियम मंत्रालय ने इथेनॉल के कैलोरी मान को पेट्रोल के बराबर बनाने के लिए प्रौद्योगिकी को प्रमाणित किया है'।

अपशिष्ट प्रबंधन से पैसा बनाने के अपने आइडिया को दोहराते हुए, केंद्रीय परिवहन मंत्री ने कहा: 'नागपुर में, हम सीवेज के पानी को रीसाइकल कर रहे हैं और इसे बिजली परियोजनाओं के लिए राज्य सरकार को बेच रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा: 'ज्ञान ही शक्ति है, ज्ञान को धन में बदलना भविष्य है। यह नेतृत्व, दूरदृष्टि और प्रौद्योगिकी है जो कचरे को धन में बदलने में सक्षम बनाता है; यह समय की मांग है। ज्ञान का उपयोग करके, हम लागत कम कर सकते हैं और निर्माण की गुणवत्ता में सुधार कर सकते हैं।

सार्वजनिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए पूंजी बाजार के लाभ पर मुंबई पुणे एक्सप्रेसवे और वर्ली बांद्रा सी ब्रिज का उदाहरण देते हुए, गडकरी ने कहा : इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविट) के तहत, हमारा विचार लोगों के पैसे पर ७ से ८ प्रतिशत मासिक रिटर्न देना है। हमने कैपिटल मार्केट में जाने का फैसला किया है जहां हम एक व्यक्ति को अधिकतम १० लाख रुपये के शेयर बेचेंगे। लोग निवेश करेंगे और हम इससे संसाधन जुटा सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि एनएचएआई एएए-रेटेड है और इसमें आर्थिक तौर पर आगे बढ़ने की क्षमता है। 'वर्तमान में हमारा टोल राजस्व ४०,००० करोड़ रुपए प्रति वर्ष का है और २०२४ के अंत तक यह १.४ लाख करोड़ रुपए प्रति वर्ष का हो जाएगा। उन्होंने बताया कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस हाईवे का ७० फीसदी काम पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि, 'मेरा सपना है कि १२ घंटे में मुंबई के नरीमन पॉइंट से दिल्ली तक नागरिकों को सड़क मार्ग से पहुँचाया जाए, अब हम इस हाईवे को नरीमन प्वाइंट से जोड़ने के लिए काम कर रहे हैं।'

(पीआईबी से साभार)

रिलीज से पहले विवादों में घिरी 'राम सेतु'

बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने अक्षय कुमार समेत ८ को भेजा लीगल नोटिस

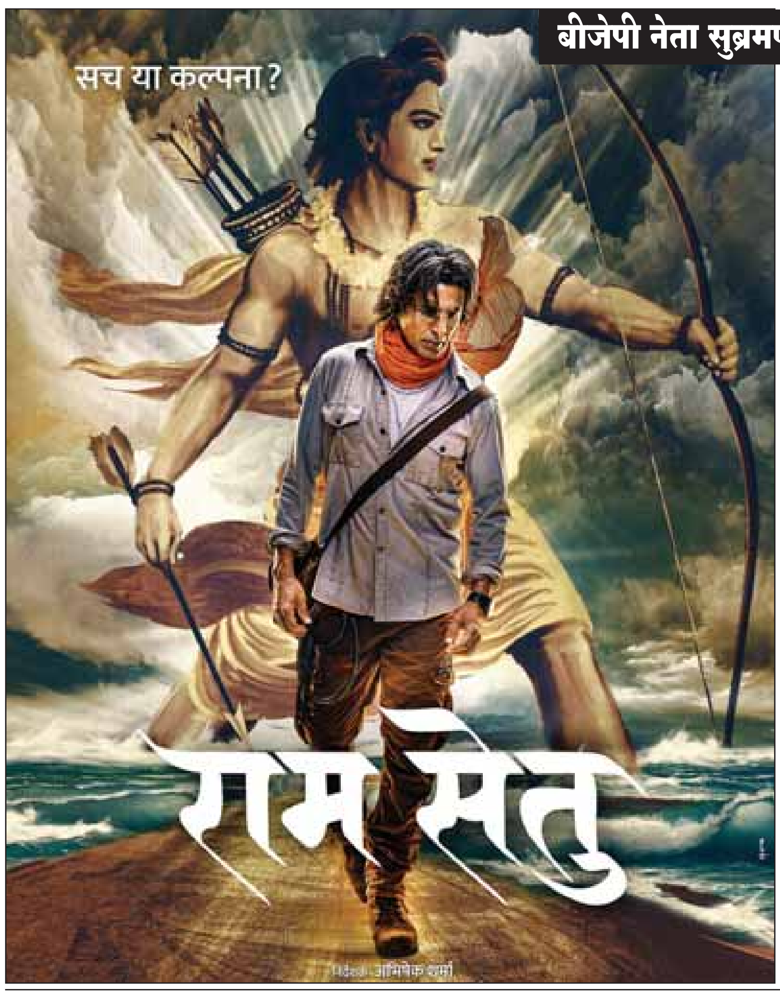

सुपरस्टार अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म 'राम सेतु' रिलीज से पहले ही विवादों में घिरती नजर आ रही हैं। बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने हाल ही में फिल्म के मेन लीड अक्षय कुमार सहित ८ अन्य लोगों को लीगल नोटिस भेजा है।

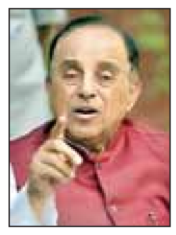

सुब्रमण्यम स्वामी ने अपने ट्वीट में लिखा, 'मुंबई के सिनेमावालों को झूठ और गलत तरीके से चीजें दिखाने की आदत है। इसलिए इन्हें इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स की जानकारी देने के लिए मैंने वकील सत्य सभरवाल के जरिए अक्षय कुमार और राम सेतु से जुड़े ८ लोगों के खिलाफ लीगल नोटिस भेजा है।'

नोटिस में कहा गया है कि जानकारी में आया है कि, राम सेतु नामक एक फिल्म को फिल्माया गया है और यह २४ अक्टूबर को रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म में राम सेतु के मुद्दे को गलत तरीके से पेश किया गया है।

नोटिस में यह भी कहा गया है कि राम सेतु से जुड़ी कानूनी लड़ाई सुब्रमण्यम स्वामी ने शुरू की है, जिसका क्रेडिट फिल्म में नहीं दिया गया है।

अभिषेक शर्मा के डायरेक्शन में बनी फिल्म रामसेतू में अक्षय कुमार एक आर्कियोलॉजिस्ट की भूमिका में नजर आएंगे, जो इस बात की जांच कर रहा है कि राम सेतु प्राकृतिक है या मानव निर्मित। फिल्म में अक्षय कुमार के साथ एक्ट्रेस जैकलिन फर्नांडिस और नुसरत भरूचा भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म २४ अक्टूबर २०२२ को रिलीज होगी।

अक्षय कुमार का २०२२ फुल

मुंबई: अभिनेता अक्षय कुमार की दो फिल्में समत पृथ्वीराज और रक्षाबंधन भले ही फ्लॉप रही हों, लेकिन यह साल उनके अभिनय के लिए पूरी तरह से भरा रहने वाला है। क्योंकि उनकी एक नहीं...दो...लेकिन नौ फिल्में पर्दे पर आने के लिए तैयार हैं। जॉली एलएलबी-३, बड़े मियां छोटे मिया, कैप्सूल गिल, गोरखा, ओएमजी-२, सेल्फी, कठपुतली दो अन्य तमिल रीमेक हैं। सूत्र ने बताया कि इस पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसलिए निश्चित रूप से प्रभावित फिल्मों की लागत को कवर किया जाएगा। पंकज त्रिपाठी, यामी गौतम, जैकलीन, इमरान हाशमी, टाइगर श्रॉफ आदि उनकी सह-अभिनेत्री हैं।

सेलेस्टी बैरागी ने ''आलिया के हमशक्ल से 'रज्जो' तक के अपने सफर को बताया शानदार

नई दिल्ली : उत्तराखंड की बाढ़ पर आधारित दिल को छू लेने वाली कहानी हो या आलिया भट्ट के हमशक्ल चेहरे सेलेस्टी बैरागी का डेब्यू, स्टारप्लस के आने वाले शो 'रज्जो' को देखने के बहुत सारे कारण है। जैसा कि सेलेस्टी शो के साथ अपना डेब्यू कर रही हैं, यह असल में उनकी जिंदगी का एक जीवन बदलने वाला पल है।

सेलेस्टी शो में लीड 'रज्जो' की भूमिका निभाती नजर आएंगी, जिसने बाढ़ में अपनी मां को खो दिया है और बाद में उसे एथलेटिक्स में पदक जीतने के लिए अपनी मां के सपने के बारे में पता चलता है। यह शो रज्जो की यात्रा और उसकी मां के अधूरे सपने को पूरा करने की उसकी प्रेरक कहानी को आगे बढाएगा, जो उसके रास्ते में आने वाली सभी चुनौतियों का सामना कर रही है।

सेलेस्टी पहले से ही सोशल मीडिया की दुनिया में एक जाना-पहचाना चेहरा रही हैं। टैलेंटेड गर्ल अपने आलिया भट्ट के हमशक्ल चेहरे के लिए सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव थी, लेकिन रातो रात उनका जीवन बदल गया, जब उन्होंने एक रील पोस्ट की जिसमें उन्होंने गंगूबाई काठियावाडी के एक सीन को फिर से बनाया और निर्माताओं का ध्यान रज्जो के लिए अपनी की ओर आकर्षित किया।

स्टारप्लस की आने वाली 'रज्जो' में मुख्य भूमिका निभाने के लिए अपना नाम चुने जाने के बाद, अभिनेत्री बनने का उनका सपना पूरा हो गया। शो के साथ अपने लगाव के बारे में बात करते हुए, सेलेस्टी ने कहा, 'रज्जो मेरे जीवन में एक बहुत ही खास शो के रूप में आया है। आलिया भट्ट की हमशक्ल होने से लेकर स्टार प्लस 'रज्जो' के लिए चुने जाने तक, यह सबसे अद्भुत यात्रा रही है। यह आश्चर्यजनक लगता है कि अब लोग मुझे मेरी प्रतिभा के लिए जानेंगे। मैं खुद को रज्जो के रूप में मुझे चुनने के लिए स्टारप्लस की बहुत आभारी हूं, मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे पसंद करेंगे।' 'रज्जो' को स्टार प्लस पर २२ अगस्त २०२२ को शाम ७ बजे खड्ढ पर लॉन्च किया जाएगा

दक्षिणी का नायक चिरंजीवी

मुंबई : दक्षिणी फिल्म के नायक चिरंजीवी को मेगास्टार के नाम से जाना जाता है। कल सोमवार को उनकी ६६ वर्ष की आयु पूरी हो रही है। लेकिन, उनका अभिनय उतना ही भावुक और तेज है। उन्होंने बनमन जैसी हिंदी फिल्मों में भी काम किया। लेकिन रजनीकांत या कमल हासन की तरह नहीं। फिर भी, दक्षिण में उनके लाखों प्रशंसक हैं। फिलहाल वह भोला शंकर की शूटिंग में व्यस्त हैं।

शुरुआती दिनों में उन्हें असफलता का भी सामना करना पड़ा। उनका कहना है कि मेरे लिए सफलता या असफलता मायने नहीं रखती। मिली प्रशंसा से ऊर्जा प्राप्त करें और अपना काम शुरू करें। इसे सिर पर लेने की जरूरत नहीं है। मेरे लिए केवल विनम्रता, मानवता, संस्कृति, अच्छाई जैसी चीजें महत्वपूर्ण हैं। हर समय सब कुछ स्थिर नहीं रहता। आज तुम हो, कल कोई और होगा। आपका लेन-देन हमेशा याद किया जाता है। हम कितने भी सफल क्यों न हों, हम अकेले नहीं हैं। यह हमेशा याद रखना चाहिए कि दुनिया में हमारे जैसे कई हैं।

रिया कपूर के साथ काम करने को लेकर उत्साहित करीना कपूर

बोलीं- मैंने फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ी, वो सच में बहुत मजेदार

बॉलीवुड तड़का टीम. साल २०१८ में आई रिया कपूर की फिल्म 'वीरे दी वेडिंग' में करीना कपूर ने काम किया था। इस फिल्म में करीना के अलावा स्वरा भास्कर, शिखा तलसानिया और सोनम कपूर लीड रोल में नजर आई थीं। वहीं ४ साल बाद करीना कपूर एक बार फिर से रिया कपूर के साथ काम करने जा रही है। प्रोड्यूसर रिया की फिल्म में काम करने को लेकर करीना बेहद उत्साहित है।

हाल ही में करीना कपूर ने कहा, रिया के साथ फिर से काम करने के लिए मैं बेहद उत्साहित हूं। यह फिल्म पूरी तरह से महिला प्रधान होगी। मैंने फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ी है, वो सच में बहुत मजेदार है। फिल्म की कहानी तीन लड़कियों के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें मेरे अलावा दो और एक्ट्रेसेस नजर आएंगी। मैं इस बारे में ज्यादा नहीं बोल सकती क्योंकि रिया जल्द ही इसकी अनाउंसमेंट करेंगी। हम इस फिल्म की शूटिंग भी इस साल के अंत तक या फिर अगले साल की शुरुआत में स्टार्ट करेंगे।

विशाल निकम द्वारा 'तू संग मेरे'

मुंबई : मराठी बिग बॉस विजेता विशाल निकम जल्द ही एक हिंदी गाने के एल्बम में नजर आएंगे। म्यूजिक चैनलों पर रिलीज होने वाले इस गाने में एक्ट्रेस दिशा परदेशी हीरोइन हैं। वीडियो पैलेस द्वारा निर्मित अपने पहले हिंदी एल्बम 'तू संग मेरे' के बारे में बात करते हुए विशाल कहते हैं कि निर्माताओं ने मुझे हिंदी में गाने का एक बहुत ही महत्वपूर्ण मौका दिया है। फोटोग्राफी का एक अलग अनुभव होने के कारण दिशा के साथ मेरा लुक और गाना निश्चित रूप से सभी को पसंद आएगा। कविता रोहितराज कांबले की है, और हर्षवर्धन वावरे ने संगीत सेट किया है। कोरियोग्राफी फुलवा खामकर की है और सिनेमैटोग्राफी अमोल गोले ने की है। गाने को कश्मीर की खूबसूरत लोकेशंस पर शूट किया गया है।

सोनाली फोगाट के लिए राहुल वैद्य ने मांगा इंसाफ...

बिग बॉस १४ फेम और बीजेपी नेता सोनाली फोगाट के निधन के बाद उन्हें लेकर कई चौकाने वाले खुलासे हुए हैं। सोनाली की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में शरीर पर मारपीट और चोट के निशान मिले। यह बात भी सामने आई है कि एक्ट्रेस को उनके सहयोगियों ने जबरन ड्रग्स दिया था। ऐसे में अब एक्ट्रेस के फैंस और दोस्त उनके लिए न्याय की आवाज उठा रहे हैं। सोनाली के को-कँटेस्टेंट राहुल वैद्य ने भी एक्ट्रेस के लिए न्याय की मांग की है। वहीं, अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म 'राम सेतु' रिलीज से पहले ही विवादों में घिरती नजर आ रही हैं। बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने हाल ही में फिल्म के मेन लीड अक्षय कुमार सहित ८ अन्य लोगों को लीगल नोटिस भेजा है। एक ओर दिल्ली के रजत सूद ने कॉमेडी शो इंडियाज लाफ्टर चैंपियन की ट्रॉफी अपने नाम कर ली है।

बिग बॉस १४ में नजर आ चुकी बीजेपी की नेता सोनाली फोगाट का २२ अगस्त को हार्ट अटैक से निधन हो गया, उनके अचानक निधन की खबर से हर कोई शॉक्ड रह गया। सोनाली फोगाट की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में शरीर पर मारपीट और चोट के निशान मिले, जिसके बाद उनके दो सहयोगियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया गया। यह बात भी सामने आई है कि सोनाली को उनके सहयोगियों ने जबरन ड्रग्स दिया था।

गोवा में अचानक सोनाली के निधन पर सबने सवाल उठाए और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पता चला कि हत्या से पहले उनके साथ मारपीट की गई थी, जिसके बाद उनके दो सहयोगियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया गया। एक्ट्रेस के निधन के बाद एक के बाद एक हो रहे चौकाने वाले खुलासों से लोग हैरान हैं और दोस्त और करीबी उनके लिए न्याय की मांग कर रहे हैं। इस बीच सोनाली के बिग बॉस १४ के को-कँटेस्टेंट राहुल वैद्य ने भी एक्ट्रेस के लिए न्याय की मांग की है।

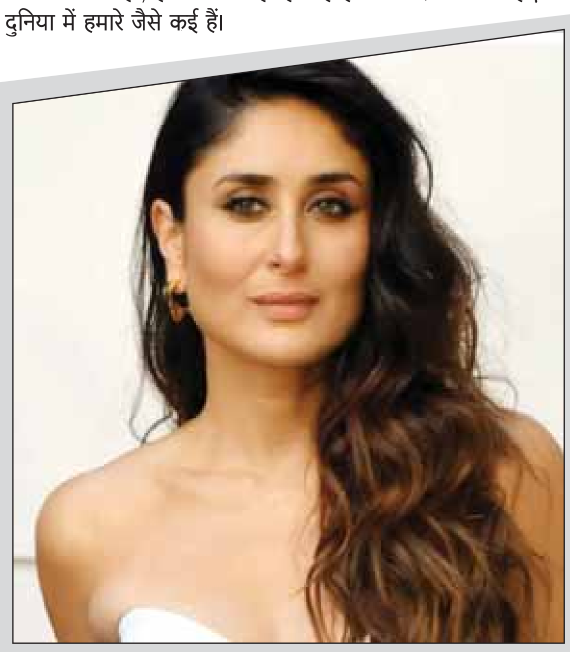

विदेश में रहकर भी प्रियंका हैं भारतीय मां!

मुंबई : प्रियंका चोपड़ा हमेशा अपनी बेटी की तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। हालांकि अब तक वह लड़की का चेहरा नहीं लाई है। अब उन्होंने एक नई फोटो शेयर की है, जिसे देखने के बाद लोग उन्हें ठेठ भारतीय मां कह रहे हैं। प्रियंका द्वारा साझा की गई तस्वीरों में से एक में लेक्की के छोटे पैर प्रियंका के चेहरे पर देखे जा सकते हैं। हालांकि इन दोनों ही फोटोज में लड़की के हाथ पर काली डोरी और पैरों में पायल ने सभी का ध्यान खींचा। भारत में लगभग हर मां अपने बच्चे को बुरी नजर से बचाने के लिए धागे में काला धागा या काले मोती पहने नजर आती है। प्रियंका ने अब तक अपनी बेटी की कई तस्वीरें शेयर की हैं, लेकिन इस बार देखने में आ रहा है कि वह अपने बच्चे को सामान्य मां की तरह दिखने से बचाने के लिए हाथों में काला धागा बांध रही हैं। प्रियंका काम में कितनी भी बिजी क्यों न हो परिवार की बात करें तो वह कोई कसर नहीं छोड़ती हैं। फिलहाल प्रियंका मदरहुड एन्जॉय कर रही हैं और यह उनकी तस्वीरों में दिखाई देता है।

साउथ स्टाइल 'राडा' जल्द...

मुंबई : वर्तमान में, दक्षिण भारतीय फिल्मों का देश भर के चैनलों पर अक्सर प्रसारण किया जाता है। क्योंकि, भारतीय दर्शकों का स्वाद बदल गया है। इससे पता चलता है कि एक जैसी बोरिंग फिल्में देखने में किसी की दिलचस्पी नहीं है। उन फिल्मों की शैली के बाद हिंदी और अन्य क्षेत्रीय फिल्मों ने मार डाला, अब मराठी फिल्में भी आगे बढ़ी हैं।

ऐसा ही एक 'राडा' आता है। दूसरे शब्दों में, यह युवाओं को मोहित करने के लिए एक नई ब्लैंक फिल्म है। आकाश तुपटेवर ने राडा में डेब्यू किया जो एक्शन, कॉमेडी और रोमांस से भरपूर है। राम शेट्टी की राडा का पोस्टर जारी कर दिया गया है, और नायक के चेहरे के भाव से पता चलता है कि वह अपने रास्ते में आने वाले तूफानों और चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है। रमेश परसेवर और सुप्रीम गोल्ड, सूरज फिल्म एंड एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत और वैशाली पेद्दावर, पैड कॉर्प (पडगिलवार कॉर्पोरेशन) द्वारा निर्मित, यह शानदार फिल्म जल्द ही दर्शकों के सामने आ रही है।

फिल्मफेयर अवॉर्ड्स के रेड कार्पेट पर कटरीना और शहनाज गिल छाईं

बॉलीवुड के सबसे शानदार अवॉर्ड शो 'फिल्मफेयर अवॉर्ड्स २००२२' का, जिसमें तमाम फिल्मी सितारे अपने खूबसूरत और ग्लैमरस अंदाज में पहुंचे।

इन सितारों की चकाचौंध वहां के माहौल को और भी रंगीन करती नजर आई। रेड कार्पेट से लेकर इस अवॉर्ड शो के मंच तक भी इन सितारों का खूब जलवा दिखा। आइए देखें, रेड कार्पेट पर किनका चला जादू और किसने मंच पर मचाया है धमाल।

'सूर्या ४२' का पहला मोशन पोस्टर हुआ रिलीज

इस एक्ट्रेस संग काम करेंगे सूर्या

चारों तरफ मचती साउथ फिल्मों की धूम को देखते हुए अब दक्षिण भारतीय फिल्मों का गर निर्माता हिंदी बेल्ट में अपनी फिल्में रिलीज करने की प्लानिंग कर रहा है। जहां बीते दिनों हमने 'आरआरआर' से लेकर 'सीता रामम' तक को हिंदी बेल्ट में रिलीज होते देखा, वहीं अब इसी कम में एक और तमिल फिल्म का एलान हुआ है। फिल्म के एलान के साथ ही इसका एक रोंगटे खडे कर देने वाला मोशन पोस्टर रिलीज किया गया है। हम बात कर रहे हैं फिल्म 'सूर्या ४२' की, जिसमें तमिल सुपरस्टार सूर्या और बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

कुछ दिनों पहले ही इंडस्ट्री में सुनहरे २५ साल पूरे करने वाले सुपरस्टार सूर्या की आगामी फिल्म 'सूर्या ४२' का पहला मोशन पोस्टर हाल ही में रिलीज किया गया है।

इस टीजर की शुरुआत युद्ध के मैदान में उडते हुए एक बाज के साथ होती है। इसमें हमें कई योद्धा घोडों की सवारी करते हुए, तलवारों और कुल्हाडियों से लडते हुए दिखते हैं। इतना ही नहीं इसके आखिर में हमें एक योद्धा खडे हुए दिखता है, जिसके कंधे पर जाकर बाज बैठ जाता है। इस पोस्टर को जारी करते हुए सूर्या ने लिखा, 'हमें अपनी इस फिल्म को शुरू करते हुए, हमें आप सभी की शुभकामनाओं की जरूरत है।' यह डेढ मिनट का टीजर किसी के भी रोंगटे खडे करने के लिए काफी है।

शुरुआत से अंत तक एक्साइटमेंट बना के रखती है तापसी की Dobaraa

यह एक मर्डर मिस्ट्री है, जो पुणे में १९९० से २०२० तक की कहानी है। एक १३ साल का अनय नाम का बच्चा है उसकी मां एक आर्किटेक्ट (तापसी) है, जो फिल्म की शुरूआत में अस्पताल को डिजाइन कर रही होती हैं। इसी दौरान अनय अपने पडोस वाले घर में मारपीट होती देखता है। वह पहले अपनी मां को इसके बारे में बताता है। लेकिन बाद में वह खुद ही पडोस वाले घर में चला जाता है। घर में वह एक औरत की लाश देखता है। लाश देखकर अनय बहुत डर जाता है और फिर घबराकर बाहर भागने लगता है। बाहर निकलते हुए फायर ब्रिगेड की गाडी उसे कुचल जती है और वो मर जाता है। कुछ देर बाद फिल्म में तापसी की एंट्री होती है और फिल्म २०२१ के समय में चली जाती है। अब तापसी अपने टीवी पर उसी बच्चे को देखती है, जो कई साल पहले मर चुका है। कहानी मे ट्विस्ट तब आता है, जब दोनों टीवी से एक-दूसरे से बात करते हैं। इतने सालों बाद फिर से अतीत अपने आप को दोहराता है। अनय फिर से पडोस वाले घर में जाने की कोशिश करता है, लेकिन इस बार तापसी उसे बचा लेती है। अब आगे कहानी में क्या होता है यह जानने के लिए तो आपको फिल्म देखनी होगी।

फिल्म की कहानी बेहद दमदार है और शुरुआत से अंत तक एक्साइटमेंट बना के रखती है। यह एक थ्रिलर फिल्म है, जिसमें तापसी पन्नू, पावेल गुलाटी, राहुल भट्ट जैसे कलाकार नजर आने वाले हैं। यह फिल्म १९ अगस्त यानी की आज दुनियाभर में रिलीज हो गई है। यह फिल्म स्पेनिश फिल्म 'मिराज' का ऑफिशियल रीमेक है।

बिस्किट की स्पेलिंग गलत लिखना अनुष्का को पडा भारी

माफी मांगते हुए एक्ट्रेस ने कही यह बात

बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा इन दिनों यूके में अपनी अपकमिंग फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' की शूटिंग में बिजी हैं। लेकिन यहां से अभिनेत्री ने फैंस को अपना एक और टैलेंट दिखाया है। अनुष्का शर्मा ने बीते दिन बिस्किट का रिव्यू दिया था। यह कहा जा सकता है कि अभिनेत्री को वहां पर बिस्किट इतने ज्यादा पसंद आए कि वह इनका रिव्यू दिए बिना रह नहीं पाईं। लेकिन इस दौरान अनुष्का ने एक ऐसी गलती कर दी, जिस वजह से वह ट्रोलिंग का शिकार हो गईं। इसके बाद अभिनेत्री ने माफी मांगी है।

दरअसल, अनुष्का शर्मा ने पहले अपनी इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि वह बिस्किट का रिव्यू करेंगी। इसके बाद उन्होंने एक-एक करके कई सारे नॉर्मल बिस्किट का फोटो शेयर की। इसके साथ ही अनुष्का ने ये भी बताया कि उन्हें कौन सा बिस्किट पसंद आया है और कौन सा नहीं आया। अनुष्का ने कई बिस्किट को पांच में से महज दो नंबर दिए तो कुछ को तीन नंबर भी दिए हैं। लेकिन इसी बीच अभिनेत्री ने एक जगह बिस्किट की स्पेलिंग गलत लिख दी, जिसके बाद लोगों ने उन्हें खूब ट्रोल किया।

रुद्र हर्षल हटवार, चेरी नितल हटवार

तापसी अमोल बेले

राघवी चिखलकर

ब्लैकमेल करने वाली महिला को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बुलढाना : शहर की एक महिला ने प्यार के नाम पर पूर्व सरपंच गजानन पाटिल को मिलने के लिए बुलाया. मिलने का स्थान भी तय किया गया. लेकिन उसी समय उसके पांच साथी आ गए और पाटिल को पीटा तथा पैसे की मांग की. आरोपियों ने वीडियो वायरल करने की धमकी भी दी और एक लाख रुपये की मांग करते हुए जेब से पांच हजार रुपये जबरदस्ती निकाल लिए. घटना के बाद सहमे हुए पूर्व सरपंच पाटिल ने शहर पुलिस में आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई. जिसके आधार पर महिला सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया.

मिली जानकारी के अनुसार पूर्व सरपंच पाटिल को एक महिला ने फोन कर शहर के डीएड कॉलेज परिसर में मिलने के लिए बुलाया. परिसर के एक टिनशेड में पहुंचने के बाद सरपंच के कपडे उतारे, जिसका सारा वीडियो छुपे हुए आरोपियों ने निकाला.

कुछ देर बाद महिला के साथी कृष्णा भास्कर पवार (२४), अजय सुनील विरशीद (२२), रूपेश सोनवणे (२२), संतोष सखाराम जाधव (३५) और १७ वर्षीय युवक मौके पर पहुंचे और पूर्व सरपंच गजानन पाटिल की पिटाई कर दी. इस सिलसिले में गजानन पाटिल की शिकायत पर महिला व अन्य पांच आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. आगे की जांच पीएसआई दिलीप पवार कर रहे हैं.

राहुल गांधी के दौरे पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने साधा निशाना

भारत को तोड़ने वाले दे रहे भारत जोड़ों का नारा

ठाणे : बीजेपी नेता, केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की जमकर आलोचना की। ठाकुर ने कहा कि जिन्होंने हमेशा भारत को तोड़ने का काम किया अब वहीं भारत जोड़ों के नाम पर भ्रमण पर निकलें है। जबकि यही कांग्रेस के लोग कई सालों से भारत को जाती, धर्म और पंथ में बांटने की कोशिश किये। साथ ही उन्होंने महाराष्ट्र में नवगठित सरकार को विकास की सरकार करार देते हुए कहा सरकार ने विकास कार्य शुरू कर दिए हैं।

केंद्रीय मंत्री ठाकुर कल्याण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के तीन दिवसीय दौरे पर है। उनका यह दौरा कल्याण, डोंबिवली, उल्हासनगर में आयोजित किया गया है। वह कल्याण लोकसभा क्षेत्र के बीजेपी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, पूर्व पार्षदों से बातचीत करेंगे। जिसकी शुरुआत उन्होंने डोंबिवली एमआईडीसी में रीजेंसी अनंतम प्रवेश द्वार के सामने चौक से किया। इस दौरान उनके साथ राज्य के लोक निर्माण मंत्री रविंद्र चव्हाण, कल्याण के बीजेपी प्रभारी और विधायक संजय केलकर, ठाणे शहर अध्यक्ष और विधान परिषद सदस्य निरंजन डावखरे, बीजेपी कल्याण जिला अध्यक्ष शशिकांत कांबले, ग्राम प्रधान नंदू परब ने स्वागत किया।

भारत पर कब्जा करने के उद्देश्य से कांग्रेस ले रही यात्रा का सहारा

इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कांग्रेस की

आलोचना करते हुए कहा कि अंग्रेजों के भारत छोड़ने के बाद भी अंग्रेजों की सोच देश पर शासन करती रही। वह कांग्रेस अब भारत पर कब्जा करने के लिए यात्रा का सहारा ले रही है। ये तो कमाल हो गया। हम कभी भी नष्ट करके शासन नहीं करते हैं। पहले कांग्रेस ने इसे तोड़ने का काम किया। धर्मों के बीच झगड़ा लगाया। ठाकुर ने कहा कि अब जबकि स्थिति हाथ से निकल चुकी है, कांग्रेस ने भारत में शामिल होने का सपना देखना शुरू कर दिया है। परन्तु, इससे कुछ भी हासिल नहीं होने वाला है।

सांगठनिक निर्माण के लिए दौरा

ठाकुर के पहुंचते ही कार्यकर्ताओं ने जय श्री राम और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नारे लगाए। कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए ठाकुर ने कहा हालांकि आप अभी जय श्री राम का नारा लगा रहे हैं, लेकिन हमें ४०० साल का संघर्ष करना पड़ा। रामलल्ला का जन्म हुआ। ऐसे में सभी भारतीय सोच रहे थे कि उस जगह पर भव्य राम मंदिर होना चाहिए। इसके लिए हमें कोर्ट में लड़ना पड़ा। नरेंद्र मोदी के प्रधान मंत्री बनने के बाद, आखिरकार अयोध्या का मुद्दा और अधिक गतिशील हो गया। आने वाले साल में अयोध्या में राम मंदिर बन कर तैयार हो जाएगा और कई वर्षों का सपना साकार होगा। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि, हम सांगठनिक निर्माण के लिए इस दौरे पर है। इसलिए आगामी चुनावों में बीजेपी का सत्ता स्थापित करने के लिए कार्यकर्ता मेहनत करें।

मुम्ब्रा-मुंबई और नासिक में बारिश से बुरा हाल, ट्रेने रुकीं

सडक़ें जाम और बिजली गुल

मुंबई : महाराष्ट के मुम्ब्रा, मुंबई और नासिक में कुछ घंटों की बारिश ने स्थिति बेकाबू सी कर दी है. जगह-जगह जलभराव देखने को मिल रहा है और सडक़ों पर लंबा जाम लग गया है. रेलवे ट्रैक पर भी पानी जमा हो चुका है. पिछले साल भी इन इलाकों में बारिश के बाद ऐसी ही हालत देखने को मिली थी।

सितंबर महीने में देश के कुछ राज्यों ने इतनी बरसात देख ली है कि सडक़ें जाम पडी़ हैं, पानी ओवरफ्लो कर रहा है और ट्रेनों की रफ्तार थम सी गई है. सिलिकॉन सिटी बेंगलुरु में तो पिछले कई दिनों से ऐसा नजारा देखने को मिल रहा है. अब महाराष्ट के मुम्ब्रा, मुंबई और नासिक से भी ऐसी तस्वीरें सामने आ गई हैं.

देर शाम मुम्ब्रा के कई इलाकों में जोरदार बरसात देखने को मिली. सड़कों पर पानी भर जाने से आम लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा. पानी इतना ज्यादाभर गया कि वाहनों के लिए तो चुनौती बना ही, आम लोग भी सडक़ों पर पैदल नहीं चल पाए. क्या बाजार, क्या स्टेशन, हर तरफ सिर्फ जलभराव रहा. नासिक में भी ऐसी ही स्थिति देखने को मिली. वहां पिछले २ घंटे से जारी बारिश ने शहर में जगह-जगह जलभराव की स्थिति पैदा कर दी है. कई इलाकों में तो बिजली गुल की भी खबरें आ रही हैं. जो वीडियो सामने आए हैं उनमें गाडय़िां तक पानी में फंसी दिख रही हैं.

मुंबई में शिवसेना के दोनों गुटों में झड़प

ठाकरे गुट के ५ कार्यकर्ताओं को मिली जमानत

मुंबई : महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे बनाम उद्धव ठाकरे की लड़ाई दिनबदिन बढ़ती दिख रही है। अब मुंबई के दादर में गणेश विसर्जन के दौरान दोनों गुटों के बीच झड़प होने की खबर सामने आई है। दोनों गुटों ने एक दूसरे पर शुक्रवार की रात मुंबई के प्रभादेवी इलाके में हाथापाई शुरू करने का आरोप लगाया। वहीं, ठाकरे गुट ने आरोप लगाया गया कि शिंदे गुट के विधायक ने फायरिंग भी की। पुलिस के सूत्रों से पता चला है कि शिंदे गुट के विधायक सदा सरवनकर ने फायरिंग की थी। सूत्रों के अनुसार, पुलिस स्टेशन के कँपाउंड में भी एक राउंड फायरिंग हुई। इस मामले में आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। दोनों गुटों के समर्थकों के बीच हुई मारपीट में पुलिस ने कुल २५ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

ठाकरे समर्थक रिहा : उल्लेखनीय है कि, शुक्रवार को हुई झड़प के सिलसिले में पुलिस ने उद्धव ठाकरे गुट के कई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया था, जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया। मुंबई पुलिस ने कहा कि, खझउ की धारा ३९५ सहित विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार किए गए शिवसेना के ५ लोगों को रहत दी गई है। पुलिस ने प्राथमिकी से धारा-३९५ हटाकर उन्हें राहत दी है, अन्य सभी धाराएं जमानती हैं।

एकनाथ शिंदे के खेमे के एक नेता संतोष तेलवने ने दावा किया कि, गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान ठाकरे गुट के कार्यकर्ताओं ने उन पर हमला किया और उन्हें धमकाया। वहीं, ठाकरे गुट ने दावा किया कि, शिंदे खेमे के एक नेता ने उनके नेता महेश सावंत पर गोली चलाई थी। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और अभी आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

कोल्हापुर में गणपति बप्पा की विदाई के दौरान पुलिसकर्मियों ने किया जबरदस्त डान्स

महाराष्ट्र : पूरे महाराष्ट्र में लोगों ने पूरे जोश में नाचते-गाते और अबीर-गुलाल उड़ाते हुए गणपति बप्पा का विसर्जन किया है। २ सालों बाद महाराष्ट्र में बप्पा का धूमधाम से आगमन और विसर्जन किया है। सोशल मीडिया पर गणपति बप्पा की विदाई के दौरान पुलिस वालों के डांस का एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है। जिसे देख आपका दिल खुश हो जाएगा।

दरअसल, वायरल हो रहा यह वीडियो दस दिनों तक चलने वाले गणपति उत्सव के विसर्जन का है। जो महाराष्ट्र के कोल्हापुर का बताया जा रहा है। वीडियो में आप देख सकते हैं कि पुलिस की पूरी टीम एक भक्ति एनर्जेटिक गाने पर अपना धांसू परफॉर्मेंस दे रही है। जिनमें महिला पुलिस कर्मी भी शामिल है।

गौरतलब है कि बप्पा के विदाई के दौरान पूरे महाराष्ट्र में जगह-जगह जुलूस निकाले गए। जिसके कई वीडियोज और फोटोज सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। कोरोना काल के बाद पहली बार लोगों ने गणपति फेस्टिवल का खूब इंजॉय किया है। इस खास मौके पर पुलिस कर्मचारी भी खूब ठुमके लगाते नजर आ रहे हैं।

नदी में समा गई रेंगेपार की प्रमुख सड़क

तुमसर : वैनगंगा नदी किनारे बसे रेंगेपार गांव की प्रमुख सड़क नदी में समा जाने से ग्रामीणों के समक्ष आवागमन की समस्या खड़ी हो गई है. अभी नदी किनारा मकानों के करीब पंहुचने लगा है. प्रशासन द्वारा खाली ड्रम लगाए गए हैं. वह भी कुछ ही दिनों में नदी में समा जाएंगे. प्रशासन द्वारा किसी तरह की स्थायी व्यवस्था नहीं की जाने से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है.

मकान एवं नदी किनारे के बीच अब केवल ३-४ फिट जगह बची हुई है. फिर भी ग्रामीण कैसे तो भी सबंधीत सड़क से यातायात कर रहे हैं. इस कारण कभी भी बहोत बड़ी दुर्घटना हो सकती है. इसे मद्देनजर रखकर सरपंच बंसीलाल नागपुरे की ओर से जिलाधिकारी को निवेदन भेजकर तत्काल उपाययोजना करने की मांग की गई है. उन्होंने निवेदन में कहा कि तहसील में जीवनदायिनी वैनगंगा नदी रेंगेपार गांव से होकर बहती है.

गत १० वर्षों में नदी तेजी से गांव की ओर बहते हुए दिखाई दे रही है. इससे गांव के कई लोगों के घर एवं खेती नदी में समा चुकी है. लेकिन अब तक सरकार की ओर से किसी तरह का मुआवजा नहीं दिया गया है. नदी में जिन लोगों के घर समा गए है. उन लोगों का पुनर्वास होना चाहिए. इस मांग का प्रस्ताव जिलाधिकारी कार्यालय के माध्यम से सरकार की ओर भेजा गया था. लेकिन सरकार की ओर से रेड व ब्ल्यू झोन का मानदंड लगाकर पुनर्वास के लिए पात्र नहीं है. ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण भूमिका अपनाई गई थी. गांव के पुनर्वास की मांग ठुकराई थी.

लेकिन सरकार ने गांव से सटे २ किसानों की कृषि भूमि का अधिग्रहण कर उस जगह के ८४ भूखंड तैयार किए गए थे. वर्ष २००६ में प्रभावित परिवारों को ३०/५० के भूखंड आवंटित किए गए थे. लेकिन सरकार ने उसी स्थान पर नागरिक सुविधाओं के साथ पुनर्वास की मांग को खारिज कर दिया था।

कांग्रेसी खेतों पहुंचकर किये मुंडऩ आंदोलन

राज्य की ईड़ी सरकार का किया निषेध

गड़चिरोली : जिले में जुलाई व अगस्त में हुई अतिवृष्टि व मेडीगट्टा प्रकल्प के पानी के चलते जिले में बाढ़ की स्थिति निर्माण होकर किसानों पर दोबारा बुआई करने की नौबत आन पड़ी. जिससे अनेक किसानों पर कर्ज का बोझ बढ़कर किसान आत्महत्या करने लगे है. लेकिन दुसरी ओर गहरी नींद में सोयी राज्य की ईड़ी सरकार केवल आश्वासनों की खैरात बांटने के अलावा दुसरा कोई काम नहीं कर रही है.

इस सरकार का निषेध करने और जिले में ओलावृष्टि घोषित कर तत्काल किसानों को वित्तीय सहायता करने की प्रमुख मांग को लेकर मंगलवार को कांग्रेस के पदाधिकारियों ने नुकसानग्रस्त किसानों के खेतों में पहुंचकर मुंडऩ आंदोलन किया. साथ ही राज्य की ईड़ी सरकार का निषेध किया.

इस आंदोलन में कांग्रेस जिलाध्यक्ष महेंद्र ब्राम्हणवाड़े, प्रदेश महासचिव तथा जिला प्रभारी डा. नामदेव किरसान, प्रदेश सचिव डा. नितिन कोड़वते, प्रदेश सचिव डा. चंदा कोड़वते, युकां के प्रदेश सचिव विश्वजीत कोवासे, किसान सेल अध्यक्ष वामनराव सावसाकड़े, सहकार सेल अध्यक्ष शामराव चापले, जिला सचिव सुनिल चडगुलवार, हरबाजी मोरे, प्रमोद भगत, कविता भगत, नेताजी गावतुरे, दिवाकर निसार, वसंत राऊत, ढिवरू मेश्राम, अब्दुल पंजवानी समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ता समेत नुकसानग्रस्त किसान उपस्थित थे.

सरकार ने किसानों को रामभरोसे छोड़ा

गड़चिरोली जिले में आसमानी संकट समेत प्रकल्प पानी के चलते किसानों का भारी नुकसान हुआ है. बाढ़ के कारण अनेक किसानों की खेत जमीन ही बह गयी है. जिसके कारण जिले का किसान पुरी तरह वित्तीय संकट में पड़ गया है. लेकिन दुसरी ओर राज्य सरकार किसानों का संकट हारने के बजाय केवल आश्वासन देने का काम कर रही है. इधर किसानों पर दोबार और तिसरी बार बुआई करने की नौबत आन पडऩे से किसान पुरी तरह कर्ज में डुब गये है. लेकिन राज्य सरकार जिले के किसानों को रामभरोसे छोड़ा है. ऐसा आरोप आंदोलनकर्ताओं ने लगाया है.

इन मांगों का है समावेश

किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर तथा राज्य सरकार का निषेध करने के लिये कांग्रेस के पदाधिकारी व नुकसानग्रस्त किसानों ने खेतों में पहुंचकर मुंडऩ आंदोलन किया. आंदोलन के दौरान गड़चिरोली जिले में ओलावृष्टि घोषित कर तत्काल किसानों को वित्तीय सहायता करने, बाढ़ पिड़ितों के लिये तत्काल रबी सत्र में तत्काल बीज उपलब्ध कराने, बाढग्रस्तों द्वारा लिया गया संपूर्ण फसल कर्ज माफ करने आदि मांगों का समावेश है.

विसर्जन रैली देखने जाना पड़ा महंगा

पिंपरी : गणपति विसर्जन जुलूस में शामिल होना पिंपरी-चिंचवड के एक परिवार के लिए काफी महंगा साबित हुआ है। विसर्जन रैली देखने के लिए घर से बाहर जाने के बाद अज्ञात चोर ने घर में घुसकर १३ लाख ५० हजार रुपए के जेवर चुरा लिए। इस घटना का खुलासा शनिवार की आधी रात पिंपरी के साई चौक पर हुआ। इस संबंध में अजय मखनलाल बजाज (उम्र ४९, निवासी साई चौक, पिंपरी, पुणे) ने पिंपरी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। इसी के तहत अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

इस वारदात को लेकर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक शुक्रवार की रात आठ बजे वादी और उसके परिवार के सभी सदस्य घर में ताला लगाकर गणपति विसर्जन जुलूस में शामिल होने गए थे। जब वे आधी रात के करीब गणपति विसर्जन जुलूस खत्म होने के बाद घर आए, तब उनके घर में चोरी होने की बात ध्यान में आयी। उन्हें उनके घर का ताला टूटा हुआ नजर आया। जब वादी बजाज ने घर जाकर निरीक्षण किया तो पता चला कि उसके घर की अलमारी से १३ लाख ३५ हजार रुपए का सोना और ५० हजार रुपए की नकद राशि चोरी हो गई है। वादी की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर पिंपरी पुलिस जांच में जुट गई है।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए ३० सितंबर तक जमीन अधिग्रहण पूरा करें

मुख्यमंत्री शिंदे का अफसरों को निर्देश

मुंबई : महाराष्ट के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे ३० सितंबर तक किसी भी हाल में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए जमीन अधिग्रहण पूरा करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी इसी एक महीने के अंदर जमीन अधिग्रहण की मुआवजा राशि भी दे दें।

गौरतलब है कि मुंबई-अहमदाबाद के बीच देश के पहले हाई स्पीड रेल कॉरिडोर पर काम जारी है। मोदी सरकार ने इसे देश की वित्तीय राजधानी और गुजरात के वाणिज्यिक केंद्र के बीच संपर्क का एक अहम माध्यम करार दिया है। करोडो़ रुपये के इस प्रोजेक्ट में गुजरात और महाराष्ट्र सरकार की तरफ से जमीन अधिग्रहण पर जोर दिया जाना था। हालांकि, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाविकास अघाडी़ सरकार में इस प्रोजेक्ट में कई रुकावटें आई। हालांकि, इस साल जून में सरकार बदलने के बाद सीएम एकनाथ शिंदे ने वादा किया था कि वे बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को जल्द शुरू करवाएंगे।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को लेकर जानकारी देते हुए महाराष्ट्र के जनसंपर्क विभाग ने कहा, 'सीएम एकनाथ शिंदे ने सभी अफसरों को मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए जल्द से जल्द जमीन अधिग्रहण पूरा करने के निर्देश दिए हैं। इसी के साथ प्रभावित परिवारों को भी मुआवजा राशि देने का आदेश दिया है।'

समाजसुधारक की भूमिका निभाने वाले शिक्षकों की आवश्यकता

हमारे देश में शिक्षक को भगवान का दर्जा दिया गया है, माता-पिता और गुरुजन एक समान है। सबसे पहले हमें शिक्षक की मूल परिभाषा को समझना होगा कि शिक्षक किसे कहते है, शिक्षक वह त्याग और सत्यता की जिवंत मूर्ति है जो स्वयं जलकर दूसरों को यश मार्ग प्रशस्त करने के लिए प्रकाशमान होता है। एक सच्चा शिक्षक मुख्यता से विषयतज्ञ, कौशलपूर्ण, मार्गदर्शक, दूरदशी, शोधकर्ता, विश्लेषक, मृदुभाषी, सहकारी, अनुशासित, समयनिष्ठ, ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ, समर्पित, परोपकारी और मेहनती होता है। शिक्षक सर्वदा घृणित व्यवहार, लालच, अभिमान, दिखावा, नशा और भ्रष्टाचार से दूर रहकर, बिकट परिस्थितियों में भी हिम्मत न हारकर हमेशा समाज में नयी पीढ़ी को आदर्श रूप देने के लिए ऊर्जावान बना रहता है। सच्चा शिक्षक जात-पात, धर्म, लिंगभेद जैसे विचारों से अलिप्त रहकर अपने विद्यार्थियों को एक समान दृस्टी से देखता है जैसे माँ अपने सभी बच्चों को एक समान देखती है। समाज में शिक्षक बहुत जिम्मेदारी का पद है, शिक्षक पर नई पीढ़ी को कर्तव्यदक्ष सुजान नागरिक में परिवर्तित करने की कला होती है। शिक्षक के कला-गुणों पर ही देश का उज्जवल भविष्य तैयार होता है, और यही है एक सच्चे शिक्षक की परिभाषा।

आज समाज से अपराध का ग्राफ काफी तेजी से बढ़ रहा है, छोटे स्कूली बच्चें और महाविद्यालयीन किशोर गंभीर अपराधों में लिप्त नजर आते है, खुले आम सभ्यता, संस्कारों की होली जलाई जाती है, शिक्षा का व्यापारीकरण नजर आता है। आज के

राष्ट्रीय शिक्षक दिवस विशेष - ५ सितम्बर २०२२

आधुनिक समय में शहरों और महानगरों में स्कूल का नाम ब्रांड बन गया है, सबको अब नामी प्राइवेट स्कूलों में ही अपने बच्चो को पढ़ाना है, तो फिर बच्चों को बाहर कोचिंग सेंटर क्यों भेजा जाता है? यह प्रश्न चिन्ह तैयार होता है। निजी शिक्षा संस्थान में बच्चों को पढवाने के बावजूद बच्चों को सुरुवात से ही ट्यूशन लगवाना जरुरी समझा जाता है। देश में शिक्षा विभागों में घोटालें कोई नई बात नहीं है, फ़िलहाल महाराष्ट्र में टीईटी भ्रष्टाचार में लिप्त ७८०० शिक्षक के नाम सामने आये है, जिनकी तनख्वाह सरकार ने फिलहाल रोक दी है, इस घोटाले में समाज के काफी रुसुकवाले लोगों के लिप्त होने की खबर है। अन्याय और भ्रष्टाचार करके अगर शिक्षक नौकरी पाता है तो वह कैसे अपने पद से न्याय कर पायेगा? और आदर्श पीढ़ी का शिल्पकार कहलायेगा? आबादी के मामले में विश्व में दूसरे क्रमांक पर तथा सबसे अधिक शिक्षासंस्थानों में तीसरे क्रमांक पर हमारा भारत देश है, फिर भी हर साल बड़ी संख्या में हमारे देश के लाखों विद्याथी पढ़ाई करने विदेश जाते है, साथ ही बड़ी मात्रा में देश का धन भी बाहर जाता है। गुणवत्ता की बात करे तो विश्वस्तर पर शीर्ष के शिक्षा संस्थानों में भारत का नाम नदारद है। यूनेस्को की शिक्षा रिपोर्ट २०२१ अनुसार, देश में १ लाख स्कूल सिर्फ १ शिक्षक के भरोसे चलते हैं। देश के स्कूलों में ११.१६ लाख पद रिक्त हैं, जिनमें से ६९% ग्रामीण क्षेत्रों में हैं।

डॉ. प्रितम गेडाम

इस महंगाई के दौर में अनेक शिक्षा संस्थानों में कई शिक्षक दिहाडी मजदूर से भी अत्यल्प वेतन पर कार्यरत है, तो कही शिक्षकों को महीनों तक बिना वेतन कार्य करवाया जाता है, तो कई राज्यों में बरसों से शिक्षकों की नई भर्तियां ही नहीं हुयी है। देश के अनेक विश्वविद्यालय और सरकारी अनुदानित शिक्षा संस्थान ठेका पद्धति द्वारा अनेक वर्षो से शिक्षकों को टेम्परारी काम पर रख कर शिक्षा का कार्य चला रहे है। देश में केजी से लेकर पीएचडी तक शिक्षा के लिए आवश्यक तज्ञ शिक्षकों में बेतहाशा बेरोजगारी का आलम छाया हुआ है। शिक्षा क्षेत्र में इस बढती बेरोजगारी की स्थिति के कारण संघर्ष चरम पर है जिसके कारण भेदभाव, भ्रष्टाचार, सिफारिश जैसी समस्या उदयमान होती है। इन सब के चलते जो जैसी नौकरी मिले शिक्षक करने को तैयार हो जाते है। हर छह माह में केंद्र और राज्य की ओर से सहायक प्राध्यापक पद हेतु नेट/सेट/स्लेट परीक्षा होती है। लाखों विद्याथी परीक्षा उत्तीर्ण होते है, लेकिन हर छह माह में सरकार लाखों असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्तियां नहीं करती। सरकार ने इस विषय पर गंभीरता से विचार करना बहुत आवश्यक है। २०-२० साल से लोग यह परीक्षा उत्तीर्ण करके बेरोजगार बैठे है, तो दूसरी ओर देश में आज अनेक ऐसे भी शिक्षक है, जिनको खुद के विषय का ढंग से ज्ञान तक नहीं है, अक्सर इससे संबंधित वीडियो वायरल होते रहते है और उनकी आज योग्यता व गुणवत्ता आधारित परीक्षा ली जाये तो, वे सम्भवतः पुरे फिसड्डी साबित होंगे। आज अनेक शिक्षक अपने तय समय से कार्य करके घर निकलना चाहते है, लेकिन शिक्षा विभाग में समय बिताने वाला कभी भी शिक्षक हो ही नहीं सकता, उनके कार्य का योग्य मूल्यमापन होना अति आवश्यक है। अच्छे काम को प्रोत्साहन और बुरे काम की निंदा होना बहुत जरूरी है।

हमारा देश महान समाज सुधारक, संत, महात्मा और क्रांतिकारियों का देश है, इस देश में लोगों की समस्या को अपनी समस्या मानकर देशसेवा व समाजसेवा में अपना सर्वस्व त्यागनेवाले अनगिनत महान सख्सियत हुए है। जिसमें शिक्षा क्षेत्र भी प्रमुख है, देश में महिलाओं के लिए शिक्षा की पहली लौ जलानेवाली महान समाजसुधारक सावित्रीबाई ज्योतिबा फुले थी, जिन्होंने बहुत ही ज्यादा मुश्किलों से लड़कर स्त्री शिक्षा को कामयाब बनाया, सावित्रीबाई फुले को बहुत ही उग्र सामाजिक विरोध का सामना करना पडा। असहनीय अत्याचारों के बाद भी, उन्होंने ज्योतिबा फुले की सहायता से लडकियों के लिए देश का पहला स्कूल शुरू किया। आज हमारे समाज में कितने ऐसे कर्मठ शिक्षक है जो अपने निस्वार्थ कर्त्तव्य और विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए समाज की बुराई से लड़ सकते है, और जो लड़ सकते है, देश को आज ऐसे ही सच्चे समाज सुधारक जैसे शिक्षकों की जरूरत है।

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

शिकायत निवारण अब ३० दिनो में

नई दिल्ली : जन शिकायतों के निवारण की समय सीमा ४५ दिन से घटाकर ३० दिन कर दी गई है। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पीएमओ, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष विभाग के राज्य मंत्री, डॉ जितेंद्र सिंह ने यह जानकारी देते हुए कहा कि यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कम से कम समय के भीतर शिकायतों के निपटान के साथ लोक शिकायत निवारण तंत्र के प्रभावी कार्यान्वयन पर जोर देने के कदम का एक हिस्सा है। इसमें प्रयास शिकायतकर्ता को अधिकतम संभव संतुष्टि प्रदान करना भी है।

मंत्री ने कहा, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) द्वारा जारी एक ओएम (संचालन, प्रशासन और प्रबंधन) में यह भी कहा गया है कि एक नागरिक से प्राप्त शिकायत को तब तक बंद नहीं किया जाएगा जब तक कि उसके खिलाफ दायर अपील का निपटारा नहीं हो जाता। पिछले साल, डीएआरपीजी ने जन शिकायतों के समाधान के लिए अधिकतम समय सीमा को ६० दिनों से घटाकर ४५ दिन कर दिया था।

डॉ जितेंद्र सिंह ने दोहराया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, विभिन्न मासिक प्रगति (प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन) समीक्षा बैठकों में, प्रधानमंत्री स्वयं सार्वजनिक शिकायतों की स्थिति की समीक्षा करते हैं। यह सरकार पर नागरिकों के भरोसे को भी दर्शाता है। ९५ प्रतिशत से अधिक मामलों के निपटारे के साथ जन शिकायतें २०१४ में २ लाख से बढ़कर वर्तमान में २२ लाख से अधिक हो गई हैं।

> आदेश में कहा गया है कि नागरिकों को अपील दायर करने का विकल्प प्रदान किया जाएगा यदि वे निपटाई गई शिकायत से संतुष्ट नहीं हैं और कॉल सेंटर द्वारा नागरिकों से प्राप्त फीडबैक को मंत्रालयों या विभागों के साथ साझा किया जाएगा जो फीडबैक से निपटने के लिए जिम्मेदार होंगे और इसी के आधार पर व्यवस्थागत सुधार किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का मुख्य मंत्र अंतिम कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति तक सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

डॉ जितेंद्र सिंह ने बताया कि नवीनतम आदेश में कहा गया है कि सीपीजीआरएएमएस पर प्राप्त शिकायतों को प्राप्त होते ही तुरंत हल किया जाएगा, लेकिन अधिकतम ३० दिनों की अवधि के भीतर और यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर निवारण संभव नहीं है, तो न्यायिक मामले/नीतिगत मुद्दों आदि जैसी परिस्थितियों में, नागरिक को एक अंतरिम/उचित उत्तर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, यह उपाय नागरिक केंद्रित शासन को आगे बढ़ाने में एक लंबा रास्ता तय करेगा क्योंकि सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि शिकायतों का यथासंभव शीघ्र निपटारा किया जाए।

डीएआरपीजी ने अपने नवीनतम आदेश में सभी विभागों को नोडल शिकायत समाधान अधिकारी नियुक्त करने और जनता की शिकायतों के समाधान के लिए उन्हें पर्याप्त रूप से सशक्त बनाने के लिए कहा है। वे नोडल शिकायत समाधान अधिकारी के समग्र पर्यवेक्षण में प्राप्त जन शिकायतों की संख्या के आधार पर जितने आवश्यक समझे उतने जीआरओ नियुक्त कर सकते हैं। आदेश में कहा गया है कि शिकायत बंद होने के बाद, नागरिकों के पास अपनी प्रतिक्रिया प्रस्तुत करने और अपील दायर करने और शिकायत की गुणवत्ता पर प्रतिक्रिया प्राप्त करने का विकल्प होता है. इसके लिए एक आउटबाउंड कॉल सेंटर शुरू किया गया है। फीडबैक प्राप्त करने के लिए कॉल सेंटर द्वारा सभी नागरिकों से संपर्क किया जाएगा।

विराट व्यक्तित्व के दिव्य प्रेम से एकाकार करता है सहजयोग

हम सभी के जीवन में कुछ न कुछ परेशानियां लगी रहती हैं। घर की हो, ऑफिस की हो, समाज की हो, या फिर रिश्ते नातों की हो। अब जीवन है तो परेशानी तो रहेगी लेकिन जब हमें इनका हल नहीं मिलता तो व्यक्ति गलत कदम उठाता है जैसे शराब पीना, मार पीट करना आत्महत्या करना क्योंकि उसके पास इन सब परेशानी से लड़ने की शक्ति और विवेक कुछ क्षण या समय के लिए विलुप्त हो जाता है इस बीच ही खुद या अन्य पर दोषारोपण हो जाता है। अब सोचना यह है कि वह हल क्यों नही निकाल पाता? क्योंकि वह संतुलित नहीं है, उसका विवेक जागृत नहीं है। उसमें समझ नहीं है अब कुछ लोग कहते है कि पढाई लिखाई बहुत जरूरी है, डिग्री बहुत जरूरी है, इससे समझ आती है। लेकिन ऐसा नहीं है। परमात्मा ने हम सभी को बुद्धिमान, विवेकवान, बनाकर पृथ्वी पर भेजा है।

फर्क है तो सिर्फ इतना की हम जैसे-जैसे उम्र में बड़े होते है हम

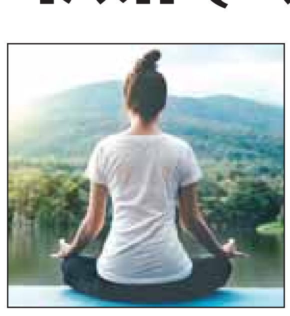

उतने कर्मकांड, और सांसारिक और आधुनिक गतिविधियों में खो जाते है अपने आप को और परमात्मा को भूल जाते हैं। अपने दोषों को भूलकर परमात्मा पर दोषारोपण करते हैं।

लेकिन ये गलत है हमारी जो परेशानी है, समस्या है उसका कारण भी हम हैं और उसका हल भी हम है। इसलिए इन सभी समस्याओं का हल सहजयोग में है। श्रीमाता जी अपने प्रवचन में जानकारी देती हैं कि...यह सच है कि इस सारे ब्रह्मांड की रचना की गई थी। सब कुछ बनाया गया और फिर आप बनाएं गए। और वह सब किया जाता है। लेकिन इस शक्ति ने जो सबसे बड़ा काम किया है, वह है सहजयोगियों की रचना करना। यह सबसे बड़ी बात है। जिनके पास ज्ञान है, जिनके पास शुद्ध ज्ञान है और जिनके हृदय में दिव्य प्रेम है, यह कैसा विराट व्यक्तित्व है। बस इसके बारे में सोचें और आपको उस प्यार का इजहार करने के सभी मौके मिलेंगे...। सहजयोग के ध्यान मात्र से हम हर समस्या का हल निकाल सकते है। माँ हम सबको स्वयं का गुरु बनाती है अर्थात हम सब अपने आप ही अपनी जीवन की सभी समस्याओं का योग से समाधान पा सकते है। जो हमें श्रीमाता जी अपना सहस्रार खोल कर हमें शक्ति प्रदान करती हैं। इसके लिए हमें नियमित रूप से श्री माता जी के सामने ध्यान धारणा पूरे समर्पण के साथ करनी। तब हमारे जीवन की सारी परेशानी माँ हर लेती है।

विस्तृत जानकारी सहजायोगा डॉट ओआरजी डॉटइन ऑनलाइन पर भी प्राप्त हो जाती है।

(श्री निर्मला देवी जी के प्रवचन२०.०६.१९९९ से साभार)।

पिता को बचाने के लिए भालू से भिड़ गई १४ साल की बेटी

सिरोही : राजस्थान के सिरोही जिले में एक बेटी ने अपने पिता को बचाने के लिए अपनी जिंदगी दांव पर लगा दी। एक किसान पर भालू ने हमला कर दिया। जिसके बाद उसकी १४ साल की बेटी भालू से भिड़ गई। बच्ची भालू से लड़ती रही और उसे भागने के लिए मजबूर कर दिया।

सिरोही के रेवदर कस्बे के सिलदर गांव में सोमवार, ५ सितंबर के देर रात एक भालू ने किसान पर हमला कर दिया। ऐसे में खेत पर बने मकान में सो रही उसकी १४ साल की बेटी जोशना भागकर बाहर आई। वह अपने पिता को बचाने के लिए भालू पर टूट पडी। तब तक भालू ने उसके पिता करमा राम चौधरी को बुरी तरह घायल कर दिया। गंभीर घायल किसान को गुजरात के मेहसाणा हॉस्पिटल में भती कराया गया है। बहादुर जोशना ने बताया कि पहले तो डर के मारे पांव कांपने लग गए, लेकिन पिता को बचाने के ख्याल से मैंने लाठी उठाकर भालू पर हमला करना शुरू कर दिया।

सात से आठ मिनट तक मैं भालू से लड़ती रही। उसके बाद वह वहां से भाग गया।

...इसलिए यौन उत्पीड़न का मामला नहीं'

कोझिकोड : केरल की कोझिकोड अदालत ने सोशल एक्टिविस्ट सिविक चंद्रन को अग्रीम जमानत देते हुए कहा कि भारतीय दंड संहिता की धारा ३५४ ए के तहत अपराध प्रथम दृष्टया आकर्षित नहीं होता है क्योंकि महिला 'यौन उत्तेजक कपड़े' पहन रखी थी।

केरल की कोझिकोड अदालत ने यौन उत्पीड़न मामले में ७४ वर्षीय लेखक और सोशल एक्टिविस्ट सिविक चंद्रन को अग्रिम जमानत दे दी। अदालत ने फैसला सुनाते हुए कहा कि भारतीय दंड संहिता की धारा ३५४ ए के तहत प्रथम दृष्टया अपराध नजर नहीं आता है क्योंकि महिला ने यौन उत्तेजक कपड़े पहन रखे थे। कोझिकोड सत्र न्यायालय ने कहा कि आरोपी सिविक चंद्रन द्वारा जमानत आवेदन के साथ पेश की गई तस्वीरों से पता चलता है कि वास्तविक शिकायतकर्ता खुद ऐसे कपड़े पहन रखे थे, जो यौन उत्तेजक थे। इसलिए आरोपी के खिलाफ धारा ३५४ए के तहत प्रथम दृष्टया आदेश पारित नहीं किया जा सकता है।

अदालत ने दी आरोपी को जमानत

विश्वास करना असंभव है कि ७४ वर्ष की आयु का एक व्यक्ति और शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्ति, वास्तविक शिकायतकर्ता को जबरदस्ती अपनी गोद में बैठा सकता है। अदालत ने कहा कि आरोपी द्वारा जमानत आवेदन के

केरल महिला आयोग ने की आलोचना

अदालत द्वारा की गई टिप्पणियों पर चिंता व्यक्त करते हुए केरल महिला आयोग की अध्यक्ष पी सतीदेवी ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया और कहा कि सबूत पेश करने और सुनवाई शुरू होने से पहले ही इस तरह के संदर्भ देकर अदालत शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों को प्रभावी ढंग से खारिज कर रही है। यह दुष्कर्म जैसे गंभीर मामलों में एक बहुत ही गलत संदेश भेजता है।

७४ वर्ष की आयु का एक अक्षम व्यक्ति महिला को गोद में कैसे बैठा सकता है

अदालत ने कहा कि यह साथ पेश की गई तस्वीरों से पता चलता है कि वास्तविक शिकायतकर्ता ने खुद ऐसे कपड़े पहने हुए थे यौन उत्तेजक थे।

चंद्रन अब तक फरार

कोइलैंडी पुलिस ने चंद्रन के खिलाफ मामले दर्ज किए थे, लेकिन वह उसे गिरफ्तार नहीं कर पाई क्योंकि पहला मामला दर्ज होने के बाद से वह फरार है। चंद्रन को पहले मामले में २ अगस्त को अग्रिम जमानत दी गई थी।

अदालत ने आरोपी को यह कहते हुए जमानत दे दी कि आरोपी को जमानत देने वाला यह सही मामला है।

अदालत ने आरोपी के खिलाफ दर्ज दूसरे यौन उत्पीड़न मामले में जमानत देते हुए यह टिप्पणी की थी। चंद्रन पर यौन उत्पीड़न के दो मामले हैं। चंद्रन पर आरोप है कि अप्रैल में एक पुस्तक प्रदर्शनी के दौरान लेखक और अनुसूचित जनजाति समुदाय से संबंध रखने वाली महिला का उत्पीड़न किया। दूसरा मामला एक युवा लेखक का था जिसने फरवरी २०२० में शहर में एक पुस्तक प्रदर्शनी के दौरान उन पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था।

'हाथियों के संरक्षण में लोगों का कल्याण'

नई दिल्ली : केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव, केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री श्री अश्विनी कुमार चौबे तथा केरल के वन और वन्यजीव मंत्री श्री ए.के. शशिंद्रन और कई अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति में केरल के पेरियार में विश्व हाथी दिवस - २०२२ मनाया गया।

केंद्रीय मंत्री ने भारत के हाथी अभयारण्य: एक एटलस, भारत के हाथी अभयारण्य: भूमि उपयोग भूमि आच्छादन वर्गीकरण, हाथियों की देखभाल: कैद में स्वास्थ्य और कल्याण का प्रबंधन और ट्रम्पेट का विशेष संस्करण जारी किया। हाथी परियोजना के ३० वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में, सभी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा भारत में हाथी संरक्षण पर एक पोस्टर जारी किया गया।

माननीय मंत्री द्वारा की गई पहल में पहली बार गज गौरव पुरस्कार स्थानीय समुदायों, फ्रंटलाइन स्टाफ और जमीनी स्तर पर काम कर रहे महावतों के सराहनीय प्रयासों के लिए जंगली और कैद में हाथियों के संरक्षण के लिए प्रदान किया गया था। इस वर्ष तमिलनाडु के अनामलाई से संबंधित मालासर समुदाय और केरल तथा असम के महावतों को केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री द्वारा गज गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

हाथी के साथ रहना विषय पर आयोजित कई प्रतियोगिताओं के लिए स्कूली छात्रों को पुरस्कार भी दिए गए। इस अवसर पर अपने संबोधन में, केंद्रीय मंत्री ने दोहराते हुए कहा कि हाथियों के साथ हमारा जुड़ाव प्राचीन, मूल्यवान और पूजनीय है। उन्होंने कहा कि हाथी हमारे वन्यजीवों और जैव विविधता के निर्वाह के लिए भी महत्वपूर्ण हैं और भारत इस विशालकाय जीव के संरक्षण को उच्च प्राथमिकता देता है।

श्री यादव ने यह भी कहा कि एक कट्टर पर्यावरणविद् और प्रकृति प्रेमी माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हमारी वन्यजीव संरक्षण रणनीति के दो पहलुओं को केंद्र में रखा है। सबसे पहले, विकास के साथ-साथ कोई भी समझौता किए बिना ही, वन्यजीव संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई जारी रह सकती है। दूसरा, हमारे वन्यजीवों और जैव विविधता के संरक्षण के प्रयास समुदाय द्वारा संचालित होने चाहिए और राज्य से आवश्यक सभी सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

श्री भूपेंद्र यादव ने उपस्थित लोगों को बताया कि भारत में एशियाई हाथियों की सबसे बड़ी और सबसे स्थिर आबादी है। वास्तव में, ६० प्रतिशत से अधिक जंगली एशियाई हाथी भारत में हैं। २०१७ में आयोजित अंतिम हाथियों की गणना में दर्ज २९,९६४ हाथियों की आबादी भारतीय संस्कृति में निहित वन्यजीव संरक्षण के जुनून के परिमाण को दर्शाती है। श्री यादव ने कहा, हाथियों और उनके आवासों की सुरक्षा के लिए हमारे पास कुछ बेहतरीन कानून हैं। हमारे पास सबसे अद्भुत लोग हैं, जो हाथियों से प्यार करते हैं और उनकी पूजा करते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत में ३१ हाथी अभयारण्य हैं। पिछले ३ वर्षों में, कर्नाटक राज्य द्वारा दांदेली हाथी अभयारण्य, नगालैंड द्वारा सिंगफन हाथी अभयारण्य और छत्तीसगढ़ में लेमरू हाथी अभयारण्य को अधिसूचित किया गया है। इसने भारत में हाथी अभयारण्य के तहत कुल क्षेत्रफल को देश के १४ राज्यों में लगभग ७६,५०८ वर्ग किमी में ला दिया है।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत तमिलनाडु में एक और हाथी अभयारण्य - अगस्त्यमलाई की स्थापना करने जा रहा है, जिसमें भारत में हाथियों के संरक्षण और रक्षण के लिए समर्पित एक और ११९७ वर्ग किमी संरक्षित क्षेत्र शामिल है।

मानव-पशु संघर्ष के बारे में चर्चा करते हुए, श्री यादव ने कहा, भारत सरकार का मानना है कि भारत में हाथियों के संरक्षण के केंद्र में लोगों का कल्याण छिपा है। संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा के साथ, मानव-हाथी संघर्ष बढ़ रहा है और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रति वर्ष औसतन ५०० लोग हाथियों द्वारा मारे जाते हैं तथा लोगों द्वारा प्रतिशोध में लगभग १०० हाथी मारे जाते हैं। मानव-हाथी संघर्ष का प्रबंधन भारत सरकार का एक प्रमुख फोकस है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने हाथियों से पीड़ित परिवारों तक पहुंच कर अनुग्रह राशि को २ लाख रुपये से बढ़ाकर ५ लाख रुपये कर दिया है। दीर्घकालिक समाधान खोजने के लिए, हम देश के हाथी गलियारों पर फिर से विचार कर रहे हैं और इस प्रयास में प्रमुख हितधारकों को शामिल करते हुए ५० प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा कर लिया है।

श्री यादव ने इस अवसर पर यह जानकारी दी कि उच्चतम न्यायालय द्वारा पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्र के फैसले के संबंध में, मंत्रालय विशेष रूप से फैसले के अनुभाग ४४ए और ४४ई पर फिर से विचार करने के लिए एक समीक्षा याचिका दायर कर रहा है, क्योंकि इस मुद्दे पर अधिक स्पष्टता की आवश्यकता है। उन्होंने जंगली सूअर के मुद्दे के बारे में बताया कि मंत्रालय ने फरवरी २०२१ में पहले ही मानव-वन्यजीव संघर्ष के लिए एक दिशानिर्देश जारी किया था और इस संकट को कम करने के लिए वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की धारा ११ के तहत केरल के मुख्य वन्यजीव वार्डन को शक्तियां दी गई हैं। पश्चिमी घाट के मुद्दे पर कस्तूरीरंगन और गाडगिल समिति की रिपोर्ट पर समग्र दृष्टिकोण अपनाने और लोगों द्वारा दिए गए आवेदनों पर विचार करने के लिए एक समिति नियुक्त की गई थी।

केंद्रीय मंत्री श्री यादव ने यह भी बताया कि हाल ही में लोकसभा द्वारा वन्यजीव संरक्षण अधिनियम में संशोधन किया गया है।

इसके एक प्रावधान में यह उल्लेख किया गया है कि भारत सरकार और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के कुछ दिशानिर्देशों के साथ धार्मिक उद्देश्य के लिए हाथियों का उपयोग जारी रखा जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने इस अवसर पर दोहराते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार गरीब-हितेषी, जन हितेषी और पृथ्वी हितैषी है और यही कारण है कि प्रधानमंत्री ने ग्लासगो शिखर सम्मेलन में जीवन शैली (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) के एक मिशन की घोषणा की।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री के रूप में श्री भूपेंद्र यादव ने घोषणा करते हुए कहा कि इडुक्की जिले के कट्टप्पना में जल्द ही गरीब लोगों की सेवा के उद्देश्य से पूरी सुविधा के साथ १०० बिस्तरों वाला ईएसआईसी अस्पताल होगा।

अंत में श्री यादव ने कहा, मुझे विश्वास है कि हमारे प्रयास विश्व स्तर पर जंगली हाथियों के भविष्य और उनके रहने के स्थान को सुरक्षित करने का मार्ग प्रशस्त करेंगे। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री श्री अश्विनी चौबे ने भी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि गजराज हमेशा से ही मानव कल्याण से जुड़ी सभी गतिविधियों का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हाथियों के संरक्षण में जनभागीदारी के महत्व को नकारा नहीं जा सकता।

विश्व हाथी दिवस एक अंतरराष्ट्रीय वार्षिक आयोजन है, जो दुनिया के हाथियों के संरक्षण और रक्षण के लिए समर्पित है। विश्व हाथी दिवस का लक्ष्य हाथियों के संरक्षण पर जागरूकता पैदा करना तथा जंगली और कैद हाथियों के बेहतर संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए ज्ञान और सकारात्मक समाधान साझा करना है।

हाथियों की वर्तमान अनुमानित संख्या से संकेत मिलता है कि दुनिया में लगभग ५०,००० - ६०००० एशियाई हाथी हैं। भारत में ६० प्रतिशत से अधिक हाथी रहते हैं। फरवरी २०२० में गुजरात के गांधीनगर में सीएमएस १३ के दलों के हाल ही में संपन्न सम्मेलन में प्रवासी प्रजातियों के सम्मेलन के परिशिष्ट ख में भारतीय हाथी को भी सूचीबद्ध किया गया है। विश्व हाथी दिवस विभिन्न हितधारकों का ध्यान आकर्षित करने के लिए मनाया जा रहा है। हाथीदांत के लिए हाथियों के अवैध शिकार और व्यापार को रोकने के लिए प्रवर्तन नीतियों में सुधार, हाथियों के आवासों का संरक्षण, कैद हाथियों के लिए बेहतर उपचार प्रदान करना और कुछ बंदी हाथियों को अभयारण्यों में फिर से वापस लाना शामिल है।

हाथी भारत का स्वाभाविक तौर पर एक विरासत जीव है और भारत में भी हाथियों की प्रजातियों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए इस दिन कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

फोन के ज्यादा इस्तेमाल से होने वाले नुकसान

आजकल स्मार्टफोन एक ऐसी चीज है। जिसके बिना हम एक पल भी नहीं जी सकते. छोटे से लेकर बड़े तक हर कोई स्मार्टफोन से चिपका रहता है. स्मार्टफोन इतना जरूरी हो गया है कि लोग जहां भी जाते हैं उठ जाते हैं, बैठ जाते हैं। अगर लोगों के पास फोन नहीं है, तो कुछ गलत लगता है।

फोन हर छोटी और बड़ी जरूरत के लिए बहुत उपयोगी है। स्मार्टफोन में भी कुछ ऐसे फीचर होते हैं। जिससे हमें बहुत मदद मिलती है। इस स्मार्टफोन की बदौलत हम अपने दूर के प्रियजनों से आसानी से बात कर सकते हैं और उन्हें देख सकते हैं। स्मार्टफोन की बदौलत अब हम घर बैठे किसी भी बिल का भुगतान आसानी से कर सकते हैं। जिससे लोग हर चीज के लिए फोन पर निर्भर रहते हैं।

बहुत से लोगों को यह एहसास होता है कि उनकी अत्यधिक फोन उपयोग की आदत अच्छी नहीं है और वे इसे छोड़ना चाहते हैं, लेकिन वे कितनी भी कोशिश कर लें, लोग इस आदत को नहीं छोड़ सकते। हम आपको स्मार्टफोन के ज्यादा इस्तेमाल से होने वाली कुछ ऐसी समस्याओं के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें देखकर आप फौरन फोन का इस्तेमाल बंद करने की कोशिश करेंगे तो आइए जानते हैं।

१ आँखों को नुकसान : मोबाइल के लगातार इस्तेमाल से आंखों में खिंचाव होता है। कभी-कभी हमें इसका एहसास नहीं होता है, लेकिन यह हमारी आंखों को नुकसान पहुंचा सकता है। हमारी आंखें शरीर के सबसे संवेदनशील अंगों में से एक हैं। मोबाइल की ब्लू स्क्रीन आपकी आंखों को काफी नुकसान पहुंचा सकती है।

यह गंभीर सिरदर्द, आंखों में दर्द और सूखी आंखें पैदा कर सकता है। ऐसे में सेल फोन का इस्तेमाल करते समय बीच-बीच में ब्रेक लेना बहुत जरूरी है।

२ कलाई में दर्द : किसी भी चीज का अति प्रयोग हानिकारक होता है। अगर इलेक्ट्रॉनिक्स की बात करें तो बेहतर होगा कि आप इसका इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतें। ज्यादा फोन के इस्तेमाल से कलाई में सुन्नपन और दर्द हो सकता है। इससे आपके हाथों पर खिंचाव पड़ेगा और आपके लिए दूसरे काम करना मुश्किल हो सकता है।

३. मुरुम बनना : हानिकारक फोन किरणें मुंहासों के टूटने का कारण बन सकती हैं। कई शोधों से पता चला है कि मोबाइल फोन में आपकी त्वचा पर आने वाले कीटाणु और बैक्टीरिया होते हैं, जो आपकी त्वचा पर दाग-धब्बे पैदा कर सकते हैं। इससे समय से पहले बुढ़ापा भी आ सकता है। ऐसे में आपको अपने मोबाइल को रोजाना पोंछ कर साफ करना चाहिए।

४ अनिद्रा : नींद हमारी लाइफस्टाइल का सबसे जरूरी हिस्सा है और अच्छी नींद हर व्यक्ति के लिए जरूरी है। देर रात तक मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने से सोने का समय कम हो जाता है। इससे आप सुबह तरोताजा महसूस नहीं करते और दिन में नींद भी नहीं आती। मोबाइल फोन का ज्यादा इस्तेमाल कभी-कभी अनिद्रा का कारण भी बन जाता है। जिसका असर आपकी सेहत के साथ-साथ आपके काम पर भी पड़ता है।

आंखों की रोशनी बढ़ाने में कारगर उपाय

आंखों के लिए खाना इन दिनों फोन का ज्यादा इस्तेमाल और लैपटॉप-कंप्यूटर पर काम करने से आंखों पर बहुत बुरा असर पड़ता है। इसलिए आंखों की रोशनी कम होने की समस्या बढ़ती जा रही है। ऐसी स्थितियों में कभी-कभी धुंधली दृष्टि हो जाती है, इसलिए लोग राहत के लिए चश्मा पहनते हैं, लेकिन चश्मा पहनना स्थायी इलाज नहीं है। इसके उचित इलाज की जरूरत है। हालाँकि, आप कुछ घरेलू उपचारों से कमजोर आँखों और धुंधली दृष्टि की समस्या को भी दूर कर सकते हैं।

घास पर नंगे पैर चलना : वैसे तो सभी जानते हैं कि हरी घास पर टहलना आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। असली भोर में हरी घास पर ओस की बूंदें गिरती हैं। ऐसे समय में यदि आप ओस वाली गीली घास पर चलते हैं, तो यह दृष्टि में सुधार करने में मदद करता है।

एक संतुलित आहार : आंखों के स्वास्थ्य के लिए विटामिन ए बहुत जरूरी है। विटामिन ए की कमी से रतौंधी हो सकती है। इसके लिए हेल्दी डाइट लें। आप स्वस्थ आहार में हरी सब्जियां, पालक, फल और सूखे मेवे शामिल कर सकते हैं।

गाजर : आंखों के लिए भी गाजर का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। गाजर विटामिन ए, विटामिन सी और आयरन जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होती है, जो आंखों के स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। गाजर को सब्जी या सलाद के रूप में खा सकते हैं।

अमला : आंवले में विटामिन सी, आयरन, कैल्शियम, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और फास्फोरस जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो आंखों के साथ-साथ बालों के लिए भी फायदेमंद होते हैं। इसके लिए आप आंवले का जैम, आंवला का अचार, आंवला पाउडर और जूस का सेवन कर सकते हैं.

काली मिर्च : आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए भी काली मिर्च और भूरी मिर्च बहुत फायदेमंद होती है। हालांकि, इनका सेवन करना आसान नहीं होता है। इसके लिए आप मिर्च पाउडर बना सकते हैं और इसमें शहद और घी मिला सकते हैं।

नाखून बताते हैं आपकी सेहत

हाथों की खूबसूरती के लिए बहुत उपयोगी होते हैं नाखून, मजबूत और स्वस्थ नाखून न केवल स्टाइल स्टेटमेंट बनाते हैं बल्कि आपके स्वास्थ्य के बारे में भी बहुत कुछ कहते हैं। अगर आपके नाखून स्वस्थ नहीं हैं, तो वे आपको आपके स्वास्थ्य के बारे में कई बातें बता सकते हैं। ऐसे में आज हम आपको बता रहे हैं अपने नाखूनों से अपनी सेहत की पहचान कैसे करें।

१ मुलायम नाखून : मुलायम या कमजोर नाखून का मतलब है कि आपके नाखून आसानी से टूट जाते हैं या टूटने से पहले झुक जाते हैं। यह रसायनों या नमी के अत्यधिक संपर्क के कारण हो सकता है। अपने नाखूनों को स्वस्थ रखने के लिए उन्हें केमिकल से दूर रखें। कमजोर नाखून भी विटामिन बी, कैल्शियम, आयरन या फैटी एसिड की कमी का संकेत हैं।

२ भंगुर नाखून : नाखूनों की सबसे आम समस्याओं में से एक है खुरदुरे और फटे नाखून। यह ज्यादातर महिलाओं में देखा जाता है। नाखूनों के बार-बार गीले होने और सूखने के परिणामस्वरूप इसे ओंकोचिज़िया भी कहा जाता है। ऐसे नाखूनों का एक अन्य कारण हाइपोथायरायडिज्म या आयरन की कमी हो सकता है। इसलिए अगर आपके नाखून ऐसा कोई संकेत दे रहे हैं तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।

३ पीले या काले नाखून : पीले नाखून बहुत आम हैं और आमतौर पर किसी संक्रमण या नेल पॉलिश जैसे उत्पाद के कारण होते हैं। कभी-कभी नाखूनों पर काली रेखाएं दिखाई देती हैं, ये रेखाएं छींटे जैसी दिख सकती हैं।

एसिडिटी और कब्ज से हैं परेशान?

खान-पान और खराब लाइफस्टाइल की वजह से इन दिनों लोगों में कब्ज और एसिडिटी की समस्या बढ़ती जा रही है।

यदि ये समस्याएं कभी-कभी होती हैं, तो यह कोई बड़ी समस्या नहीं है, लेकिन यदि यह नियमित रूप से होती है, तो इसे एक बड़ा जोखिम माना जाना चाहिए। आज हम आपको इन समस्याओं को दूर करने के कुछ घरेलू उपाय बता रहे हैं, जिससे आप अपने पाचन तंत्र को मजबूत कर सकते हैं।

- **लौंग और इलायची के उपाय**

सूजन, कब्ज या एसिडिटी होने पर लौंग और इलायची के उपाय का प्रयोग करना चाहिए। इसमें कार्मिनेटिव गुण होते हैं। इसके इस्तेमाल से आपके एसिड रिफ्लक्स में सुधार होता है। इलायची खाने से पेट की गर्मी कम होती है, जिससे कब्ज दूर होती है।

- **रोज सुबह गर्म पानी पिएं**

कहा जाता है कि हल्का गर्म पानी सभी बीमारियों को मारता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। इसलिए रोज सुबह उठते ही २ गिलास गुनगुना पानी पिएं। यह गर्म पानी आपके पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में अद्भुत भूमिका निभाता है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है और शरीर को हाइड्रेट रखता है।

- **पेट दर्द के लिए करें ये योगासन**

अगर आप पेट दर्द, जी मिचलाना या बार-बार डकार आने से परेशान हैं तो आपको कुछ योग करना चाहिए। इनमें से सप्त बद्ध कोणासन को सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। इस आसन को रेक्लाइनिंग बाउंड एंगल पोज के नाम से भी जाना जाता है। पाचन संबंधी समस्याओं से निजात पाने के लिए यह आसन काफी फायदेमंद माना जाता है।

- **अदरक सेहत के लिए अच्छा होता है।**

पेट को स्वस्थ रखने के लिए आप सौंफ, पुदीने के पत्ते और अदरक के नुस्खे भी ले सकते हैं। थोड़ा पानी लें और उसमें इन तीनों चीजों को उबाल लें। इसके बाद सुबह इसका सेवन करें। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक अदरक में जिंजरोल नाम का खास इंग्रीडिएंट होता है, जो पाचन में मदद करता है। पुदीना और सौंफ भी पेट को साफ रखने में उपयोगी मानी जाती है।

- **मसालेदार और चिकना भोजन से बचें**

आपका आहार भी आपके पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जितना हो सके मसालेदार, मसालेदार या चिकना खाना खाने से बचें। ऐसा खाना खाने से कब्ज, डायरिया, एसिडिटी की समस्या बढ़ जाती है।

आहार में कम मसालेदार सब्जियां, दालें, दूध, दही का सेवन बढ़ाएं। ये पदार्थ पेट की गर्मी को शांत करते हैं और एसिडिटी को दूर करते हैं।

रोजाना गाजर का जूस पीने के फायदे

जब हम स्वस्थ जीवन जीने की कोशिश करते हैं, तो हमें स्वस्थ खाद्य पदार्थों का सहारा लेना पड़ता है। ऐसे में गाजर आपके लिए बहुत उपयोगी है। इस भूमिगत सब्जी का उपयोग हम कई तरह से कर सकते हैं, जिनमें गाजर का हलवा और सलाद बहुत लोकप्रिय है। अगर आप गाजर का जूस पीते हैं तो आपके शरीर और चेहरे पर कई चमत्कारी फायदे देखने को मिलेंगे।

गाजर में पाए जाने वाले पोषक तत्व

गाजर में पोषक तत्वों की कमी नहीं होती, इसमें विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन सी और कई मिनरल्स पाए जाते हैं। गाजर के हलवे में बहुत अधिक तेल का उपयोग होता है, इसलिए यह एक स्वस्थ विकल्प नहीं है। अगर आप इस सब्जी के सलाद और जूस का सेवन करते हैं तो आपको जल्द ही परिणाम देखने को मिलेंगे।

गाजर का जूस पीने के फायदे

१. गाजर के रस के नियमित सेवन से चेहरे पर गजब का निखार आने लगेगा, क्योंकि गाजर खून में विषाक्तता को कम करती है, जिससे चेहरे की त्वचा पर असर पड़ता है।

२. अगर आप पिंपल्स से परेशान हैं तो गाजर का जूस आपके लिए रामबाण साबित हो सकता है। आपके सारे पुराने मुंहासे और जिद्दी मुंहासे दूर हो जाएंगे।

३. नियमित रूप से गाजर का रस पीने से शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा बढ़ जाती है और आप थकान महसूस नहीं करते।

४. मसूढ़ों से खून निकल रहा हो तो गाजर का रस पीना चाहिए। इससे दांतों की चमक भी बढ़ती है।

५. अगर खांसी बंद नहीं होती है तो गाजर के रस में काली मिर्च और चीनी मिलाकर पीएं।

६. गाजर में फाइबर जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व होते हैं जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखते हैं और इस तरह वजन घटाने को आसान बनाते हैं।

स्मरण शक्ति बढ़ाने के लिए डाइट में इन चीजों को शामिल

जब बात दिमाग को तेज करने की आती है, तो इसमें फैटी फिश सबसे उत्तम होती है। फैटी फिश में उच्च मात्रा में ओमेगा-३ फैटी एसिड पाया जाता है। ओमेगा-३ फैटी एसिड ब्रेन को बूस्ट करने में अहम भूमिका निभाता है। इससे स्मरण शक्ति बढ़ती है। इसके अलावा, ध्यान भी बढ़ता है। इसके लिए डाइट में फैटी फिश को जरूर शामिल करें।

हरी पत्तेदार सब्जियां : हरी पत्तेदार सब्जियों में विटामिन बी काम्प्लेक्स प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा, हरी पत्तेदार सब्जियों में विटामिन-सी, इ, मैग्नीशियम भी पाया जाता है।

ब्रोकली : ब्रोकली में एंटीऑक्सीडेंट के गुण पाए जाते हैं, जो दिमाग को तेज करते हैं। साथ ही स्मरण शक्ति भी बढ़ती है। इसके लिए डाइट में ब्रोकली को जरूर शामिल करें। ब्रोकली के सेवन से कई अन्य बीमारियों में भी फायदा मिलता है।

एवोकाडो : इसमें आवश्यक पोषक तत्व जस्ता फोलेट, कैल्शियम, लोहा, मैग्नीशियम, पोटेशियम, तांबा, मैंगनीज, फॉस्फोरस आदि पाए जाते । इसके सेवन से रक्तचाप कंट्रोल में रहता है। इससे दिमाग सुचारूढंग से काम करता है।

जामुन : जामुन में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट के गुण पाए जाते हैं। ये सभी आवश्यक पोषक तत्व सूजन और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को दूर करने में सहायक होते हैं। इसके लिए जामुन दिमाग के लिए फायदेमंद होता है। इसके अलावा, कॉफी का सेवन करना भी दिमाग के लिए फायदेमंद होता है।

वर्क फ्रॉम होम के दौरान फिट एंड फाइन बने रहे

अगर आपकी कंपनी में अभी भी वर्क फॉम होम का ऑप्शन जारी है तो ये बहुत ही बडा रिलैक्सेशन है। नो डाउट वर्क फ्रॉम होम में काम करने से लेकर खाने-पीने और बीच-बीच में आराम करने की भी सुविधा होती है लेकिन इस ऑप्शन ने कहीं न कहीं लोगों का फिटनेस बिगाड़ने का भी काम किया है। जहां पहले ऑफिस जाने के चक्कर में थोडी-बहुत एक्टिविटीज हो जाती थी वो अब बंद हो गई है। तो घर से काम करने के दौरान खुद को फिट रखने के लिए अपनाएं ये टिप्स।

१. हेल्दी खाएं

घर से काम करने के दौरान फिजिकल एक्टिविटी बहुत ही कम हो जाती है ऐसे में खुद को फिट रखने के लिए डाइट पर ध्यान देना बहुत जरूरी होता है। तो अपने खानपान में लो फैट फूड प्रोडक्ट्स को शामिल करें। साबुत अनाज, दूध, फल व सब्जियां, दालें, अंडा हर तरह से हेल्दी ऑप्शन्स हैं।

२. हाइड्रेट रहें

मसल्स और एब्स बनाना ही फिट रहने की निशानी नहीं है। बीमारियों से बचे रहना, हेल्दी और एनर्जेटिक रहना असली फिटनेस की पहचान है। तो थोडी-थोडी देर के अंतराल पर पानी पीते रहें। वहीं चाय औ? कॉफी से दूर रहें। दिनभर में दो बार से ज्यादा कैफीन वाले ड्रिंक्स सेहत के लिए बिल्कुल सही नहीं होते।

३. एक्सरसाइज.का टाइम फिक्स करें

वर्क फ्रॉम होम के दौरान बनी-बनाई फिटनेस को मेनटेन रखना चाहते हैं तो एक्सरसाइज.के लिए वक्त जरूर निकालें। कोशिश करें इसका एक टाइम फिक्स करने का, ये फंडा ज्यादा काम करेगा। सुबह या शाम, जो भी आपको सूट करता हो, उस टाइम एक्सरसाइज.जरूर करें।

४. घर में बैठने की सही अरेंजमेंट करें

ऑफिस में बैठने की सही व्यवस्था होती है जिस वजह से कमर और पीठ दर्द की समस्या कम ही देखने को मिलती है तो कोशिश करें घर में भी बैठने की प्रॉपर अरेंजमेंट करें। बिस्तर या सोफे पर काम तो आराम से होता है नो डाउट लेकिन इससे पोस्चर खराब होने की भी पूरी-पूरी संभावना होती है।

५. रूटीन सेट करें

घर से काम करने के दौरान हमें लगता है कि कोई देखने वाला नहीं है तो अपने हिसाब से काम करो, लेकिन उस चक्कर में दिन में खत्म हो जाने काम को रात-रातभर बैठकर पूरा करते रहते हैं। जिससे खानपान के साथ ही नींद भी डिस्टर्ब होती है और फिर इससे अगले दिन का काम। ये अगर ऐसे ही चलता रहता है तो कुछ ही दिनों में बॉडी एग्जास्ट हो जाती है। तो घर पर रहकर भी कोशिश करें ऑफिस वाला ही रूटीन फॉलो करने का।

६. रिलैक्स होना भी है जरूरी

काम के बीच थोडा ब्रेक भी लेते रहें। लगातार बैठे रहना बॉडी और माइंड दोनों के लिए सही नहीं होता। इसके अलावा काम खत्म होने के बाद अपनी मनपसंद चीजों के लिए वक्त निकालें, फिर वो चाहे कुकिंग हो, डांसिंग, पेटिंग या कोई और हॉबी। इससे सच में स्ट्रेस दूर होता है।

त्वचा के लिए फायदेमंद

त्वचा पर दाग-धब्बे और टैन पूरे लुक को खराब कर सकते हैं। त्वचा के काले होने के पीछे का कारण मृत त्वचा कोशिकाओं का जमा होना है। विशेषज्ञों का कहना है कि नियमित देखभाल न करने, गलत खान-पान या जलवायु के कारण मृत कोशिकाएं बनने लगती हैं। यदि समय रहते इन कोशिकाओं को नहीं हटाया गया तो नीरसता दिखाई देगी।

हम आपको अपनी त्वचा को चमकदार बनाने के लिए अपने खान-पान का ध्यान कैसे रखें, इसके बारे में सरल बातें बताने जा रहे हैं। इसके बारे में जानकारी इस प्रकार है।

- जब आप आराम कर रहे होते हैं तो आपके शरीर को वह ऊर्जा मिलती है जिसकी उसे जरूरत होती है। ऐसे में अगर आपने ऑयली और मसालेदार खाना खाया है तो इसका असर शरीर पर दिखने लगता है. ऐसे में खाना पचने में मुश्किल हो जाता है, इसका असर आपकी त्वचा पर दिखने लगता है। इसलिए सोते समय भारी खाना खाने से बचें।
- शरीर में पानी की मात्रा अच्छी हो तो घड़ा साफ रहता है और त्वचा पर असर दिखाई देता है। इसलिए अगर आप ग्लोइंग चेहरा चाहते हैं तो कोशिश करें कि दिन में कम से कम ४ लीटर पानी पिएं।
- चेहरे पर इंस्टेंट ग्लो आने की वजह से कई लोग कॉस्मेटिक की वजह से इसका खूब इस्तेमाल करते हैं। इसलिए इसका सीधा असर त्वचा पर महसूस होता है। ऐसे में प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल करें। बाजार में रासायनिक उत्पादों के प्रयोग से बचने से त्वचा पर फर्क पड़ेगा।
- प्राकृतिक चीजों से चेहरे और त्वचा पर काफी फर्क पड़ता है, इसलिए ऐसी चीजों का इस्तेमाल करें। जिसमें घर में हल्दी से लेकर पेड़ पर लगे नीम तक सब कुछ शामिल है। अगर आप ऐसी चीजों का इस्तेमाल करते हैं तो आपकी त्वचा स्वस्थ रहेगी।

चश्मा पहनने से होने वाले नाक पर काले धब्बे घरेलू उपाय से हटाएं

आजकल, हमारा अधिकांश समय कंप्यूटर या मोबाइल फोन का उपयोग करने में व्यतीत होता है। यही वजह है कि आज चश्मा पहनने से बुजुर्गों से लेकर बच्चों तक की आंखों की रोशनी कम हो रही है। लगातार चश्मा लगाने से नाक पर काले धब्बे पड़ जाते हैं जो देखने में बहुत बुरे लगते हैं। इन दाग-धब्बों से छुटकारा पाने के लिए बहुत से लोग महंगी क्रीम और ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन यह किसी काम का नहीं होता। कुछ घरेलू नुस्खों को अपनाकर आप इन घरेलू नुस्खों को अपनाकर दाग-धब्बों से छुटकारा पा सकते हैं।

टमाटर : टमाटर चेहरे के दाग-धब्बों को दूर करने में भी कारगर है। यह चेहरे से मृत त्वचा को हटाकर त्वचा को एक्सफोलिएट करता है। टमाटर का पेस्ट बनाकर नाक के निशान वाली जगह पर लगाएं। ऐसा करने से आपको कुछ ही दिनों में फर्क दिखने लगेगा।

एलोवेरा जेल : अगर आपकी नाक पर चश्मे के कारण काले धब्बे हैं तो एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करें। एलोवेरा में एंटी-एजिंग गुण होते हैं और यह त्वचा को मॉइस्चराइज़ करता है। इसके लिए एलोवेरा की एक पत्ती को आधा काट लें और उसके रस का पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को दाग-धब्बों पर लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें। आप चाहें तो बाजार में मिलने वाले एलोवेरा जेल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

आलू : नाक पर लगे चश्मों के निशान हटाने के लिए भी आलू का इस्तेमाल किया जा सकता है। आलू का रस त्वचा के लिए ब्लीचिंग एजेंट की तरह काम करता है और दाग-धब्बों को दूर करने में मदद करता है। नाक पर लगे कांच के दागों को दूर करने के लिए आलू का रस लगाएं। इसके लिए एक कच्चा आलू लें और उसे कद्दूकस कर लें। अब इसे निचोड़ कर इसका रस निकाल लें। आलू के रस को प्रभावित जगह पर लगाकर १०-१५ मिनट के लिए रख दें। फिर चेहरे को साफ पानी से धो लें।

शहद : त्वचा के दाग-धब्बों को दूर करने के लिए भी शहद काफी फायदेमंद माना जाता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं जो त्वचा से दाग-धब्बों को दूर करने में मदद करते हैं। इसके लिए दाग-धब्बों पर शहद लगाकर हल्के हाथों से मसाज करें। इसके बाद सूखने के बाद चेहरे को साफ पानी से धो लें।

संतरे का छिलका : चश्मे के कारण हुए दाग-धब्बों को दूर करने के लिए आप संतरे के छिलके का इस्तेमाल कर सकते हैं। संतरे के छिलके में ब्लीचिंग गुण होते हैं जो दाग-धब्बों को दूर करने में मदद करते हैं। इसके लिए संतरे के छिलके को पीसकर दूध में मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को प्रभावित जगह पर लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें।

अकेलापन बढ़ा सकता है हृदयसंबंधी जोखिम

यद्यपि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, फिर भी कई ऐसे हैं जो अकेले रहना पसंद करते हैं। कुछ को परिस्थिति के अनुसार अकेले रहना पड़ता है। पिछले दो साल में कोरोना की पृष्ठभूमि में कोरोना संक्रमण के चलते अकेले रहने की बारी कई लोगों की थी.

पिछले ४० वर्षों में हुए शोधों ने स्वास्थ्य पर अकेलेपन के प्रभावों को भी दिखाया है। अकेलापन मृत्यु दर में वृद्धि में योगदान के लिए भी जाना जाता है। और अध्ययनों से पता चला है कि पुरुषों में अकेलेपन की दर अधिक होती है।

सामाजिक संपर्क की कमी से बच्चों में अवसाद और अन्य समस्याएं जैसे मोटापा, उच्च रक्तचाप और ग्लूकोज का स्तर होता है। सामाजिक अलगाव और अकेलापन १८ से २२ आयु वर्ग में आम है। पैंसठ साल की उम्र तक पहुंचने वालों में भी अकेलापन देखने को मिलता है।

क्या खुद को अलग-थलग करने वाले लोग वास्तव में अकेलापन महसूस करते हैं या नहीं, इसका अभी भी अध्ययन किया जा रहा है।

डिस्क्लेमर : स्टोरी के टिप्स और सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन्हें किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर नहीं लें। बीमारी या संक्रमण के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

संतोष राठी, राधिका राठी, नेहा राठी, साक्षी राठी और तन्वी राठी, नागपूर

गोवा के मुख्यमंत्री श्री प्रमोद सावंत इनके निवास्थान पर विराजमान श्री गणेश

विठ्ठलजी ठाकरे, नागपुर

ठाणे के जिल्हाधिकारी राजेश नार्वेकर इन्होने केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल इनके निवासस्थल पर श्री गणेशजी के दर्शन लिया।

सुधाताई सेलोकर, नागपुर

आमदार, उमा ताई खापरे, पुणे

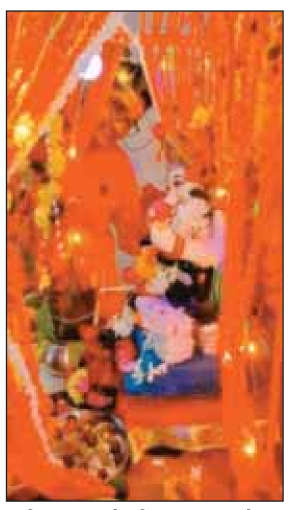

रिता गायधने, चिचपुरा, सावनेर
मो. : ९८३४६०७६१५

शीतल उर्फ विजय गोरख शिंदे
अमायरा हॉऊस , चिंचवड पूणे-१९

गणेश गणपती रेवतकर, सी - १००६, अक्षर इस्टोनिया,
प्लॉट नं. ४१, सेक्टर ४७, द्रोणगिरी नोड, नवी मुंबई -४००७०२

प्रणय डाबरे, कामाक्षी नगर, वाठोडा, नागपूर

रुपाली भावेश गांधी
भिकमचंद जैन नगर, जळगाव,
मो. : ९४२२२७५९५२

प्रशांत सराफ, सुरेंद्र नगर, नागपूर

सुचर्या प्रमोद खैरकर,
अंबिका नगर, कांडली, परतवाडा,
मो. : ९७६७३५०३०६

संजीवनी बघेल,
गोधनी, नागपूर

प्रतिभा दत्तू वराडे, प्लॉट न. १५ तिरुपती लेआऊट,
सोमलवाडा वर्धा रोड, नागपूर ४४००२५

स्वत्वाधिकार लोकमिरर पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड हेतु, **प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक : स्वप्नील शंभरकर** द्वारा अरुणोदय प्रेस, कॉटन मार्केट, नागपूर - 440018 से मुद्रित कर, लोकमिरर पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड C/o कौशल्याबाई वानखेडे, प्लॉट नं. 177, A/G योगी अरविन्द नगर, कामठी रोड, नागपूर - ४४००२६ से प्रकाशित। **संपादक : स्वप्नील शंभरकर,** संपर्क - 09545924968, *पी आर बी कानून के तहत सम्पूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार। RNI Reg. No.-MHHIN/2017/74134